केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 286 सोमवार 11 मई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

मानसिक बिमारी से परेशान युवक की जहरीला पदार्थ खाने से मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। लालगंज थाना क्षेत्र के महसों (पूरब टोला)में शनिवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां मानसिक बिमारी से परेशान 44 वर्षीय बृज किशोर पाण्डेय ने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। इलाज के लिए जिला चिकित्सालय ले जाने पर इलाज के दौरान चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है, वहीं मृतक की बहन ने मौत को संदिग्ध बताते हुए पारिवारिक कलह का आरोप लगाया है।

जानकारी के अनुसार महसों पूरब टोला निवासी बृज किशोर पाण्डेय पुत्र जनार्दन पाण्डेय काफी समय से मानसिक बीमारी से जूझ रहे थे। बताया जा रहा है कि बीमारी से परेशान होकर शनिवार शाम करीब चार बजे उन्होंने जहरीला पदार्थ खा लिया।जहर खाने के करीब आधे घंटे बाद बृज किशोर ने अपनी भाभी को इसकी जानकारी दी। यह सुनते ही परिवार में हड़कंप मच गया। परिजन तत्काल उन्हें जिला चिकित्सालय बस्ती लेकर पहुंचे जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

मृतक की बहन को घटना की जानकारी होने पर उसने डायल 112 पुलिस को सूचना देकर लालगंज थाने में तहरीर दी और भाई की मौत को संदिग्ध बताते हुए पारिवारिक कलह का आरोप लगाया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मृतक अपने पीछे पत्नी, दो बेटे और एक बेटी को छोड़ गए हैं। घटना के बाद परिवार का रो–रोकर बुरा हाल है, जबकि गांव में शोक की लहर चल रही है।

शादी का कार्ड बांटकर लौट रहे भाई की सड़क हादसे में मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र में शनिवार रात करीब 8 बजे एक सड़क हादसे में युवक की मौके पर मौत हो गई। यह घटना लालगंज–महादेवा मार्ग पर समय माता स्थान के पास हुई, जहां एक अज्ञात चार पहिया वाहन ने दोपहिया सवार युवक को टक्कर मार दी।

मृतक की पहचान ग्राम पंचायत कोप निवासी मनोज उर्फ जुग्गी के रूप में हुई है। मनोज अपने भाई की शादी के कार्ड बांटकर घर लौट रहे थे। वह तीन दिन पहले ही प्रदेश से छुट्टी लेकर अपने भाई की शादी के लिए घर आए थे। मनोज अपने पीछे एक बेटी और एक बेटे को छोड़ गए हैं। इस घटना से जहां घर में शादी की खुशियां मनाई जा रही थीं, वहीं पल भर में यह खुशी मातम में बदल गई।

घटना की सूचना मिलते ही लालगंज पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। महादेवा चौकी इंचार्ज देवव्रत शर्मा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपी वाहन चालक को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

चुनाव से पहले योगी मंत्रिमण्डल का विस्तार: 6 नए चेहरों को मिली जगह

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश में अगले साल (2027) होने वाले चुनाव में अब जब चंद महीने ही रह गए हैं तो रविवार को योगी कैबिनेट का बहुप्रतीक्षित विस्तार हो ही गया।उत्तर प्रदेश में रविवार का दिन राजनीतिक रूप से काफी खास रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार का आज दूसरा मंत्रिमंडल विस्तार हुआ। इस मंत्रिमंडल विस्तार के तहत छह नये मंत्रियों को मंत्री पद की शपथ दिलायी गयी। साथ ही दो राज्य मंत्रियों को पदोन्नत करके स्वतंत्र प्रभार दिए गए। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में हुए इस मंत्रिमंडल विस्तार में समाजवादी पार्टी (सपा) से बगावत करने वाले विधायक मनोज पांडेय और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी भी शामिल हैं। इन दोनों ही नेताओं को कैबिनेट मंत्री पद की शपथ दिलायी गयी है। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने जन भवन में आयोजित समारोह में इन मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी।

इसके अलावा चार और मंत्रियों को भी राज्य मंत्री पद की शपथ दिलायी गयी जिनके नाम हैं – हंसराज विश्वकर्मा, कैलाश राजपूत, कृष्णा पासवान और सुरेंद्र दिलेर। इसके अलावा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री अजीत सिंह पाल और ऊर्जा राज्य मंत्री सोमेंद्र तोमर को स्वतंत्र प्रभार के राज्य मंत्री पद की शपथ दिलायी गयी। इस दूसरे मंत्रिमंडल विस्तार से कहा जा रहा है कि योगी सरकार में मंत्री कई जातीय समीकरण साधे हैं। मंत्री बनने वाले नये लोगों में मनोज पांडेय ब्राह्मण, भूपेंद्र चौधरी, हंसराज विश्वकर्मा और कैलाश राजपूत अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) तथा कृष्णा पासवान और सुरेंद्र दिलेर दलित वर्ग से ताल्लुक रखते हैं।

राज्य विधानसभा चुनाव से करीब आठ माह पहले किये गये इस मंत्रिमंडल विस्तार से पहले प्रदेश सरकार में कुल 54 मंत्री थे, जिनकी संख्या बढ़कर अब 60 हो गयी है। मंत्रिमंडल का पहला विस्तार पिछले लोकसभा चुनाव से पहले पांच मार्च 2024 को हुआ था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार की शाम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात करके मंत्रिमंडल विस्तार पर चर्चा की थी।

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि भाजपा नेतृत्व मिशन 2027 की बिसात पर अपने उन रणनीतिक चेहरों को फिर से मुख्य भूमिका में ला रहा है जो क्षेत्रीय और जातीय समीकरणों की काट ढूंढने में माहिर है। विपक्ष और खासकर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव चुनाव से कुछ महीने पहले हुए योगी कैबिनेट विस्तार पर कई सवाल उठा रहे हैं। वहीं बीजेपी के रणनीतिकार इसे बेहद जरूरी और अगले साल होने वाले चुनावों के मद्देनजर बेहद महत्वपूर्ण मान रहे हैं।

सूरज अध्यक्ष, अमित महामंत्री घोषित

–विश्व हिन्दू महासंघ का विस्तार, परसरामपुर ब्लाक पदाधिकारी घोषित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को विश्व हिन्दू महासंघ की एक आवश्यक बैठक जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में मखौड़ा धाम के परिसर में सम्पन्न हुई। बैठक में हिन्दू हितों की रक्षा के लिये रचनात्मक कार्यो के साथ ही महासंघ पदाधिकारियों का विस्तार किया गया। बैठक में सर्व सम्मत से परसरामपुर ब्लाक इकाई का गठन किया गया। इसमें संयोजक सुनील कुमार गौतम, ब्लॉक अध्यक्ष सूरज श्रीवास्तव, महामंत्री अमित श्रीवास्तव, ब्लॉक उपाध्यक्ष विजय पाण्डेय, मंत्री– करन सिंह चौहान, अनुज सोनकर, अतुल गुप्ता , प्रभारी दीपक गुप्ता, ब्लॉक कोषाध्यक्ष मुकेश गुप्ता, मीडिया प्रभारी अनिल यादव, ब्लॉक संयोजक राम सजन मौर्या, तहसील अध्यक्ष साहब पाठक, ब्लॉक कार्यकारणी में अभिषेक गुप्ता को दायित्व सौंपा गया।

महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने पदाधिकारियों की घोषणा के साथ ही उन्हें दायित्वों, कर्तव्यों के बारे में जानकारी दिया।

इस अवसर पर विजय कुमार शुक्ला, विवेक श्रीवास्तव, अर्पण श्रीवास्तव जिला महामंत्री के साथ ही महेश हिंदुस्तानी, परमानन्द गुप्ता, विकास प्रजापति, उज्जवल सिंह, संदीप कमला पूरी, राहुल कमला पूरी, दीपक सोनी, अभिषेक आर्य, सतीश पांडेय, अभिषेक सिंह, शिवम मिश्रा, पवन सिंह, सुरेन्द्र यादव, उपेंद्र सिंह, अजय शास्त्री, सौरभ गुप्ता, सूरज कौशल, दीप चंद्र कन्नौजिया, सुमित गुप्ता, अंकित सिंह, अजय दुबे, तेजस्व त्रिपाठी, विशाल सोनी आदि उपस्थित रहे।

3840 अभ्यर्थियों ने छोड़ी पीजीटी परीक्षा:महिला अभ्यर्थियों के मंगलसूत्र तक उतरवाए गये

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को 19 परीक्षा केंद्रों पर पीजीटी की पहली पाली की परीक्षा कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुई। इस परीक्षा में कुल 7424 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 3840 अनुपस्थित रहे। केवल 3584 परीक्षार्थी ही शामिल हुए।

परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बेहद सख्त रही। कई महिला अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पहले मंगलसूत्र, पायल, बालों में लगी चिमटी और अन्य धातु सामग्री तक उतरवानी पड़ी। प्रवेश द्वार पर मेटल डिटेक्टर से जांच के बाद ही उन्हें अंदर जाने दिया गया। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज और सक्सेरिया इंटर कॉलेज सहित कई केंद्रों पर महिला अभ्यर्थियों की विशेष जांच की गई। कई परीक्षार्थियों को कान के आभूषण, पायल और बालों की क्लिप भी बाहर रखनी पड़ी।

जिले में हंसराज लाल इंटर कॉलेज गनेशपुर, आरसीसी पब्लिक स्कूल, देल्ही स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल रामबाग, गन्ना विकास इंटर कॉलेज मुंडेरवा और शिवहर्ष किसान इंटर कॉलेज सहित अन्य विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया था। नकल विहीन परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से लगातार निगरानी की गई। स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक और पुलिस बल परीक्षा व्यवस्था पर निरंतर नजर बनाए रहे।

शिक्षक विजय प्रकाश को मानद उपाधि मिलने पर प्रसन्नता

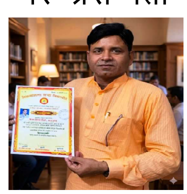

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सल्टौआ गोपालपुर विकास खण्ड क्षेत्र के कम्पोजिट विद्यालय पड़री पाण्डेय के सहायक शिक्षक विजय प्रकाश चौधरी को विक्रम शिला हिन्दी विद्यापीठ से विद्या वाचस्पति मानद डाक्टरेट उपाधि मिली है। यह उपाधि उन्हें शिक्षा, समाजसेवा के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिये दिया गया है।

शिक्षक विजय प्रकाश चौधरी ने कहा कि इस उपाधि से उनका रचनात्मक दायित्व और बढ गया है। उनका प्रयास होगा कि निरन्तर शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में योगदान जारी रहे।

विजय प्रकाश चौधरी को मानद डाक्टरेट उपाधि मिलने पर मुख्य रूप से डॉ. अजीत मणि त्रिपाठी, डॉ. अनिल कुमार मौर्य, डॉ. राकेश कुमार यादव, डॉ. बलराम चौधरी, संदीप गोयल, के.के. तिवारी, डा. सत्य प्रकाश चौधरी, डा. अनुराग चौधरी, राम भरत वर्मा, देवेन्द्र कुमार वर्मा, महेश चन्द्रा, अमरेन्द्र कुमार आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

5 विशेष शिक्षकों को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मिली स्थायी नियुक्ति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सुप्रीम कोर्ट के आदेश और शासनादेश के अनुपालन में पांच विशेष शिक्षकों को स्थायी नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। यह नियुक्ति पत्र जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में दिए गए। लंबे समय से लंबित यह नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने से चयनित अभ्यर्थियों में संतोष दिखा।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, उत्तर प्रदेश शिक्षा निदेशालय (बेसिक) के निर्देश पर विशेष शिक्षक (सीडब्ल्यूएसएन) पद के लिए इन अभ्यर्थियों को नियुक्ति दी गई है। ये नियुक्तियां प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर पर की गई हैं। नियुक्ति पाने वाले शिक्षकों में अजय कुमार वर्मा, अरुण कुमार चौधरी, पंकज मिश्रा, सुनील कुमार गुप्ता और वर्षा गर्ग शामिल हैं। इनमें से तीन शिक्षकों को प्राथमिक स्तर पर और दो शिक्षकों को उच्च प्राथमिक स्तर पर तैनात किया जाएगा।

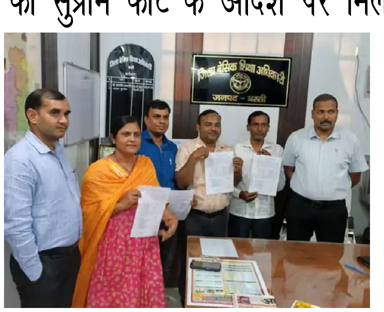

बीएसए कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, सभी चयनित अभ्यर्थियों को निर्धारित समयावधि में आवश्यक अभिलेखों और चिकित्सीय प्रमाण पत्र के साथ कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। विभागीय स्तर पर चयनित विद्यालयों में उनकी तैनाती की प्रक्रिया भी जल्द पूरी की जाएगी।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) अनूप कुमार ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में यह नियुक्ति प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न कराई गई है। उन्होंने कहा कि विशेष शिक्षक दिव्यांग बच्चों को बेहतर और समावेशी शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

विभाग का लक्ष्य है कि चयनित शिक्षकों की जल्द से जल्द विद्यालयों में तैनाती सुनिश्चित कर शिक्षण कार्य प्रारंभ कराया जाए। बीएसए अनूप कुमार ने चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा और उनके सर्वांगीण विकास में इन शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी।

थलपति विजय बने तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री शपथ ग्रहण में साथ दिखे राहुल गांधी

चेन्नई (आभा)। तमिलनाडु में थलपति विजय की सरकार गठन को लेकर संशय उस वक्त समाप्त हो गया, जब तमिलगा वेत्री कड़गम पार्टी के (TVK) प्रमुख ने चेन्नई में जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। विजय के शपथ ग्रहण के दौरान लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की मंच पर मौजूदगी रही। मंच पर राहुल गांधी और विजय की तस्वीरों ने राज्य की राजनीति में नए गठबंधन और राष्ट्रीय स्तर पर बड़े राजनीतिक संकेतों की चर्चा तेज कर दी है।

रविवार को तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के प्रमुख एवं पार्टी के विधायक दल के नेता सी जोसेफ विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने यहां नेहरू स्टेडियम में आयोजित रंगारंग समारोह में उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

टीवीके कार्यकर्ताओं की सीटियों की लगातार गूंजती आवाजों और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की मौजूदगी के बीच विजय ने ईश्वर के नाम पर मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। मंत्रियों ने भी ईश्वर के नाम पर शपथ ली, जबकि पूर्ववर्ती द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार में अधिकतर मंत्रियों ने ऐसा नहीं किया था। विजय के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में टीवीके नेता आधव अर्जुन, एन आनंद और के ए सेंगोट्टैयन सहित अन्य नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली।

थलपति विजय की पार्टी 'तमिलगा वेट्री कझगम' (टीवीके) 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। हालांकि, टीवीके अपने दम पर साधारण बहुमत हासिल करने से चूक गई थी, लेकिन चुनाव परिणाम के तुरंत बाद ही कांग्रेस ने विजय को अपना समर्थन दे दिया था। विदुथलाई चिरुथाईगल काची और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने भी विजय के नेतृत्व वाले गठबंधन को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा की। गठबंधन के सहयोगियों और समर्थक पार्टियों के समर्थन से टीवीके के नेतृत्व वाले गुट ने 120 विधायकों का समर्थन हासिल कर लिया।

वहीं शपथग्रहण के दौरान राहुल गांधी और थलपति विजय की एकसाथ तस्वीरें बहुत कुछ बयां कर रही हैं। दरअसल थलपति विजय राहुल गांधी को काफी मानते हैं, उन्होंने खुद लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष को अपने शपथग्रहण में आने का न्योता दिया था। विजय से करीबी का कारण ही है कि कांग्रेस ने सबसे पहले टीवीके को समर्थन दिया और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने खुद वाम दलों और अन्य पार्टियों को सपोर्ट के लिए मनाया था।

नेपाल में 30 दिन ही रुक सकेंगे भारतीय पर्यटक, इसके बाद जब्त होगी गाड़ी

रूपईडीहा बहराइच (आभा)। भारतीय पर्यटकों को लेकर नेपाल की बालेन सरकार ने एक और नया नियम लागू कर दिया है। भारतीय पर्यटकों को नेपाल घूमने के लिए 30 दिन समय सीमा निर्धारित कर दिया गया है। 30 दिन का इन्हें वाहन कस्टम अदा करना होगा। 30 दिन के बाद शुल्क अदा करने पर भी नेपाल में रुकने नहीं दिया जाएगा और वाहन जब्त कर लिया जाएगा। भारतीय वाहनों के प्रवेश और नेपाल में रुकने की अवधि सहित आने–जाने का विवरण अब डिजिटल रूप में रखा जाएगा।मालवाहक वाहनों के लिए अलग व्यवस्था की गई है। भारतीय ट्रकों को नेपाल प्रवेश करते समय 1700 रुपये नेपाली मुद्रा में शुल्क अदा करना होगा। नेपाल से माल लादकर दो दिन में ही भारत लौटना होगा। इसी प्रकार भारत से माल लादकर नेपाल आने वाले वाहनों को नेपाल प्रवेश करने के पहले 15 सौ रुपये नेपाली रुपया कस्टम को अदा करना होगा। इन ट्रकों को 72 घंटे के भीतर नेपाल छोड़ देना होगा। 72 घंटे से अधिक भारतीय ट्रक यदि नेपाल में रुक जाते हैं तो उन्हें ढाई हजार रुपये दंड स्वरूप अदा करना होगा।

सीमावर्ती क्षेत्र के भारतीय निवासियों के लिए कार, जीप व बाइक नेपाली बाजारों में 12 घंटे फ्री सुविधा प्राप्त होगी। कस्टम कार्यालय

लिटिल फ्लॉवर्स स्कूल में सुमधुर फाउन्डेशन टेस्ट सीरीज शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को लिटिल फ्लॉवर्स स्कूल सुरेंद्रनगर कटरा में शिक्षा नवाचार और गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए सुमधुर फाउंडेशन टेस्ट सीरीज का शुभारंभ किया गया। इसमें कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया । परीक्षा समाप्ति के पश्चात परीक्षा कक्ष से बाहर निकलते समय छात्र–छात्राओं के अंदर उत्साह व उनके चेहरे पर मुस्कान झलक रही थी । परीक्षा के पश्चात संवाद स्थापित करते हुए विद्यार्थियों ने कहा कि इस परीक्षा से हम लोगों को एक नई दिशा मिलेगी जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए हमारा मार्ग प्रशस्त होगा ।

–9 से 12 तक के छात्रों के प्रतियोगी परीक्षा का मार्ग प्रशस्त–सुरेन्द्र प्रताप सिंह

–पढाई के साथ प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी से समृद्ध होंगे छात्र–अपर्णा सिंह

सुमधुर फाउंडेशन टेस्ट सीरीज के उद्देश्य पर चर्चा करते हुए विद्यालय के प्रबंधक सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि सुमधुर फाउंडेशन का उद्देश्य सभी छात्र–छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना है क्योंकि, आज प्रतियोगी परीक्षाओं का ही दौर चल रहा है।

इस टेस्ट सीरीज की विशेषताओं के बारे में बताते हुए विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती अपर्णा सिंह ने बताया कि यह टेस्ट सीरीज प्रतियोगी परीक्षाओं पर आधारित होगी जो विद्यालय के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए महीने में दो बार निशुल्क प्रदान की जाएगी । अब बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे एन .टी.एस.ई. .जे.ई.ई.नीट इत्यादि की तैयारी के लिए शहर से बाहर नहीं जाना पड़ेगा । विद्यालय में बच्चों के लिए एकेडमिक के साथ–साथ फाउंडेशन की कक्षाएं भी संचालित की जाएगी और समय–समय पर उनका मार्गदर्शन करते हुए टेस्ट सीरीज के माध्यम से उनकी योग्यताओं का मूल्यांकन किया जाएगा तथा रैंक निकालकर अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत किया जाएगा । जिससे वह अपनी कमियों को सुधार कर भविष्य में सफलता की ओर आगे बढ़ सके।

सुमधुर फाउंडेशन टेस्ट सीरीज के शुभारंभ के अवसर पर विद्यालय के निर्देशक राहुल सिंह ने कहा कि 'मेरा यह सपना है कि मैं समाज में उन बच्चों के लिए कुछ ऐसा करूं जिससे जो बच्चे कक्षा दसवीं के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे – एन .टी. एस.ई.,नीट,.जेई.की तैयारी के लिए शहर छोड़ कर बाहर चले जाते हैं तथा उनके अभिभावकों को भारी भरकम शुल्क जमा करना पड़ता है और परिणाम भी अपेक्षित नहीं आते ऐसे में सुमधुर फाउंडेशन टेस्ट सीरीज के माध्यम से बच्चों को भविष्यगत परीक्षाओं का ज्ञान हो,वे प्रश्न पत्रों को सुगमता से समझे और भविष्य में लक्ष्य की प्राप्ति कर सकें । यही हमारा उद्देश्य है कि शहर के छात्र–छात्राओं के पलायन को रोका जाए ,उन्हें सही मार्गदर्शन कराया जाए और उनके माता–पिता के सपनों को साकार किया जाए । कहा कि आज के प्रतिस्पर्धा के दौर में मजबूत नीव ही सफलता की कुंजी है। सुमधुर फाउंडेशन सीरीज विद्यार्थियों को केवल परीक्षा केंद्रित तैयारी ही नहीं बल्कि उनके समग्र व्यक्तित्व विकास में भी सहायता प्रदान करेगी। इस श्रृंखला के माध्यम से प्रतिभागियों को नवीनतम पाठ्यक्रम अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन तथा तकनीकी आधारित शिक्षण सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी ।

इस अवसर पर उपस्थित अभिभावकों ने विद्यालय के इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि लिटिल फ्लावर एक ऐसा संस्थान है जहां बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान दिया जाता है । यह विद्यालय बस्ती के टॉप स्कूलों में से एक है। विद्यालय अपनी आधुनिक सुविधाओं, अनुशासित वातावरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के कारण अभिभावकों की पहली पसंद बनता जा रहा है ।

इस अवसर पर राजमणि वर्मा , वैभव पाण्डेय ,आनंद आर्या, मधु सिंह, प्रीति अस्थाना, ,साक्षी पांडे ,शशि पांडे, अर्पिता सिंह, श्रद्धा सिंह ,रितिकेश, प्रवेश , आनंद आर्या, अभिषेक, अनूप बरनवाल, तपन घोष, संध्या तिवारी आदि शिक्षक शिक्षिकाओं सहित विद्यालय परिवार के सभी सदस्य मौजूद रहे!

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 11 मई 2026 सोमवार

सम्पादकीय

लोकतंत्र में व्यक्ति—पूजा के खतरे

देश एक जीवंत, बहुस्तरीय और निरंतर विकसित होने वाली सामूहिक चेतना है और उसकी विविधताओं, संघर्षों, इतिहास, आकांक्षाओं और भविष्य का समुच्चय होता है। इसके विपरीत, सरकार एक अस्थायी व्यवस्था है, जिसे जनता समय—समय पर चुनती है। सरकारें आती—जाती रहती हैं, पर देश बना रहता है। इस सरल—सी प्रतीत होने वाली सच्चाई को धुंधला करना, लोकतंत्र के आत्मा को कमजोर करना है।

समस्या तब उत्पन्न होती है, जब सत्ताधारी दल अपने राजनीतिक हितों को राष्ट्रहित के रूप में प्रस्तुत करने लगता है। यह प्रवृत्ति नई नहीं है, लेकिन आज के दौर में इसका स्वर अधिक मुखर और आक्रामक हो गया है। सरकार की आलोचना को देश की आलोचना के रूप में चित्रित करना, असहमति को राष्ट्रद्रोह के साथ जोड़ देना और किसी एक नेता की छवि को राष्ट्र की गरिमा के साथ मिला देना, ये सभी प्रवृत्तियां लोकतांत्रिक विमर्श को सीमित करने के औजार हैं। इससे नागरिकों पर दबाव पैदा होता है कि वे सवाल उठाने से बचें, अन्यथा उन्हें "देश—विरोधी" ठहरा दिया जाएगा।

किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र में आलोचना केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि नागरिकों का कर्तव्य भी होती है। सरकार की नीतियों, निर्णयों और कार्यशैली पर सवाल उठाना, उनका विश्लेषण करना और आवश्यकतानुसार उनका विरोध करना सक्रिय नागरिकता के अनिवार्य तत्व हैं। यदि यह प्रक्रिया कमजोर पड़ती है, तो सत्ता का केंद्रीकरण बढ़ता है और जवाबदेही कम होती जाती है। जब—जब सरकार और राष्ट्र को एक मान लिया गया, तब—तब लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर हुईं, नागरिक अधिकारों पर आघात हुआ और तानाशाही प्रवृत्तियां पनपीं।

किसी भी उच्च पदस्थ नेता की गरिमा और प्रतिष्ठा निस्संदेह महत्वपूर्ण होती है, लेकिन उसे राष्ट्र की गरिमा का पर्याय बना देना एक खतरनाक सरलीकरण है। राष्ट्र की प्रतिष्ठा किसी एक व्यक्ति की छवि पर नहीं, बल्कि उसके संस्थानों की मजबूती, नागरिकों की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और समाज की समावेशी संरचना पर निर्भर करती है। जब हम किसी नेता की आलोचना को राष्ट्र के अपमान के रूप में देखने लगते हैं, तो हम अनजाने में लोकतंत्र के उस संतुलन को बिगाड़ देते हैं, जो संस्थाओं और व्यक्तियों के बीच स्थापित होना चाहिए। यह याद रखना प्रासंगिक है कि लोकतंत्र में संस्थाएं व्यक्तियों से बड़ी होती हैं।

व्यक्ति—पूजा का यह चलन धीरे—धीरे संस्थागत ढांचे को कमजोर करता है और लोकतंत्र को एक व्यक्ति—केंद्रित व्यवस्था में बदलने का खतरा पैदा करता है। सत्ताधारी दल का हित और राष्ट्रहित भी हमेशा एक जैसे नहीं होते। हर दल स्वाभाविक रूप से अपने विस्तार, प्रभाव और चुनावी सफलता के लिए काम करता है और यह लोकतांत्रिक राजनीति का हिस्सा है, लेकिन जब इन हितों को राष्ट्रहित के रूप में प्रस्तुत किया जाता है और विरोध की आवाजों को दबाने का प्रयास होता है, तब समस्या पैदा होती है। इससे नीति—निर्माण में विविध दृष्टिकोणों की गुंजाइश कम हो जाती है और निर्णय एकतरफा हो सकते हैं।

लोकतंत्र का सार ही यह है कि विभिन्न विचारों के बीच संवाद हो और उसी से नीतियों का निर्माण हो। इस बहस में सबसे केंद्रीय भूमिका नागरिक की है। लोकतंत्र में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। सवाल पूछना, जानकारी जुटाना, नीतियों का मूल्यांकन करना और अपनी स्वतंत्र राय बनाना, ये सभी लोकतांत्रिक नागरिकता के आवश्यक तत्व हैं। यदि नागरिक इस जिम्मेदारी से पीछे हटते हैं, तो सत्ता का असंतुलन बढ़ता है और लोकतंत्र कमजोर पड़ने लगता है। यह भी समझना जरूरी है कि आलोचना का अर्थ विरोध या नकारात्मकता नहीं होता। रचनात्मक आलोचना वह प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से नीतियों में सुधार होता है और शासन अधिक प्रभावी बनता है।

एक परिपक्व लोकतंत्र में सरकार आलोचना को अवसर के रूप में देखती है, न कि खतरे के रूप में। लेकिन जब आलोचना को ही शत्रुता के रूप में देखा जाने लगे, तो यह लोकतांत्रिक असुरक्षा का संकेत है। आज आवश्यकता इसकी है कि हम देश और सरकार के बीच इस अंतर को स्पष्ट रूप से समझें और बनाए रखें। हमें यह स्वीकार करना होगा कि सरकारें अस्थायी हैं, लेकिन देश स्थायी है। इसलिए हमारी सर्वोपरि निष्ठा किसी दल या व्यक्ति के प्रति नहीं, बल्कि उन मूल्यों के प्रति होनी चाहिए, जो इस देश को परिभाषित करते हैं—लोकतंत्र, न्याय, समानता, संप्रभुता और स्वतंत्रता।

एक सशक्त लोकतंत्र वही है, जहां नागरिक निर्भीक होकर सवाल पूछ सकें, जहां असहमति को सम्मान मिले और जहां सरकारें स्वयं को जनता के प्रति जवाबदेह मानें। देश और सरकार के बीच की इस आवश्यक दूरी को बनाए रखना ही लोकतंत्र की सुरक्षा की सबसे बड़ी गारंटी है। यदि हम इस अंतर को भूल जाते हैं, तो हम न केवल अपनी नागरिक जिम्मेदारी से विमुख होते हैं, बल्कि उस लोकतांत्रिक आत्मा को भी कमजोर कर देते हैं, जिसने हमें एक राष्ट्र के रूप में एकजुट रखा है।

यूपी के योगी और शुभेन्दु अधिकारी

—मनोज सिंह—

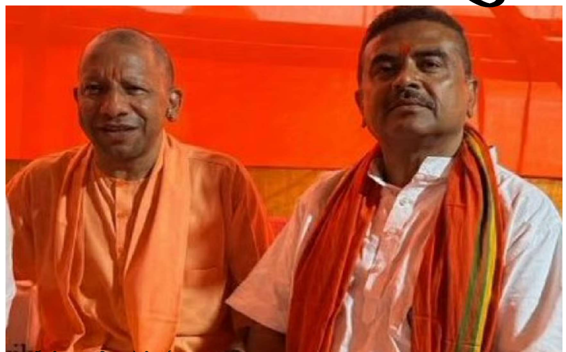

बंगाल चुनाव संपन्न हो चुका है वहां की जनता ने 15 साल से सत्ता पर काबिज ममता बनर्जी की सत्ता को उखाड़ फेका है देश के अधिकांश क्षेत्रीय राजनीतिक दल राष्ट्रीय विजन से ज्यादा क्षेत्रीय और जातीय समीकरण को साध कर कोई सत्ता में आया और कोई सत्ता में बने रहने के लिए प्रयासरत है ।

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तो सत्ता में बने रहने के लिए राष्ट्रीय आंतरिक सुरक्षा की परवाह को दर किनार करके करोड़ो बांग्लादेशी घुसपैठियों को ओट की राजनीति के लिए शरण देकर पश्चिम बंगाल में रहने वाले लोगों का जीवन दुर्लभ कर दिया चाहे वह हिंदू हो या मुसलमान सभी के लिए सिरदर्द बन गए घुसपैठिए बांग्लादेशी जिनको प्रदेश सरकार का अप्रत्यक्ष समर्थन प्राप्त था ।

गुरु रवींद्रनाथ टैगोर , सुभाष चंद्र बोस, और डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म भूमि पर ऐसी दुर्दशा वहां के लोगों की होगी इसकी कल्पना भी आजादी के बाद नहीं किया गया था ।

भारत के केन्द्रीय राजनीति, में सरदार पटेल, एवं लाल बहादुर शास्त्री की सादगी और सुशासन का दौर देश ने देखा वहीं एक दौर इंदिरा गांधी का था ,दूसरा दौर अटल बिहारी वाजपेई का था, तीसरा दौर नरेंद्र मोदी का चल रहा है लेकिन वह अपने अंतिम पांच साल के पड़ाव की तरफ अग्रसर है । भारत वंशियों और देश के युवाओं के मन में यह अभिलाषा जरूर होगी कि भविष्य में देश की कमान को कौन संभालेगा ? समता और खुशहाली के शासन की किस से उम्मीद की जाए ?

पश्चिम बंगाल में समुद्र मंथन की तरह हुए 2026 के विधानसभा चुनाव में एक ऐसा नाम उभर कर आया जिसने 15 साल से बंगाल की सत्ता पर घुसपैठियों के सहारे शासन करने वाली उस समय की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उन्हीं के सीट पर स्वयं हराकर और उनके अभेद दुर्ग को भेदकर भाजपा के 207 विधायक को विजय दिलाने में उनकी अहम भूमिका रही मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को जीत साल, 6 महीने के परिश्रम का प्रतिफल नहीं है ।

उनके जीवन के बारे में और राजनीतिक यात्रा का जब अध्ययन किया जाता है तो ऐसा प्रतीत होता है की लंबे समय से बंगाल की दुर्दशा को दूर करने के लिए निरंतर राजनीति में सेवा भाव से सक्रिय रहे साथ ही उनका ब्रह्मचारी होना भी कहीं ना कहीं बंगाल की दिशा और दुर्दशा को ठीक करने के लिए संभवत ऐसा निर्णय लेना पड़ा होगा प्राप्त अंकों के अनुसार 15 दिसंबर 1970 की जन्मतिथि के अनुसार वह 56 वर्ष के युवा पौढ़ संवेदनशील राज नेता हैं जिनसे देश को बड़ी अपेक्षा है वहीं 1972 में जन्मे 54 साल के योगी आदित्यनाथ भाजपा के प्रभावशाली राज नेता हैं वहीं महाराष्ट्र से देवेन्द्र फडणवीस उभरते हुए राज नेता हैं। बिहार की धरती पर एक ऐसी शख्सियत विधानसभा के रास्ते बक्सर सीट से 13 साल के आईपीएस की सर्विस छोड़कर विधायक बने हैं 1981 में उनकी जन्म तिथि के अनुसार 45 वर्ष के सबसे युवा चर्चित नेता हैं, भविष्य में उनकी कार्यशैली को देखते हुए यह अनुमान लगाया जाता है की बिहार विधानसभा के प्रभावशाली राजनेताओं में अपनी जगह बनाएंगे विपक्ष की राजनीति में एक तरफ 1973 में जन्मे 53 साल के अखिलेश यादव है वहीं 1970 में अवतरित 56 साल के राहुल गांधी विपक्ष में भले हैं लेकिन नेतृत्व क्षमता का अभाव दिखाई पड़ता है लेकिन (संतोष इस बात का है कि सत्ता पक्ष की सेकंड लाइन में प्रतिभाशाली नेताओं की कमी नहीं है देश का भविष्य सुरक्षित नजर आ रहा है ।

टीवीके यानी 'स्टार्टअप' राजनीतिक विकल्प

—प्रमोद जोशी—

टीवीके की सफलता के पीछे नौजवानों की ताकत है, जिसे जेन–जी माना जा रहा है। सोशल मीडिया के जरिए चुनाव जीतना एक बात है, लेकिन सत्ता के खेल को खेलना दूसरी बात है। इन्हें नेताओं की जवाबदेही को भी समझना होगा। समाधान झटपट नहीं मिलते और सिनेमा के नायकों की तरह खासतौर से नहीं। तमिलनाडु विधानसभा के चुनाव–परिणामों ने देश में एक नए राजनीतिक 'स्टार्टअप' का नाम जोड़ा है। अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके का चुनावी पदार्पण बेहद शानदार रहा है। 'स्टार्टअप' शब्द बिजनेस से आया है। तेजी से बढ़ने वाली कंपनियों को यह नाम दिया जाता है और एक अरब डॉलर से ऊपर का कारोबार करने वाली कंपनी को 'यूनिकॉर्न' कहते हैं। माना जा रहा है कि टीवीके ने रातों–रात भारतीय राजनीति में 'यूनिकॉर्न' बनकर दिखाया है।

तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) ने अपने पहले ही चुनावी मुकाबले के बाद तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), आम आदमी पार्टी (आप), असम गण परिषद (एजीपी) और वाईएसआर कांग्रेस (वाईएसआरसीपी) जैसी पार्टियों के नक्शे–कदम सफलता हासिल की है। वह बेशक पहले ही राउंड में 'यूनीकॉर्न' बनकर उभरी है, पर पर्यवेक्षक मानते हैं कि उसे अभी कठोर परीक्षा से गुजरना होगा। अभी यह सेमीफाइनल जैसा लगता है। शायद साल–दो साल, नई सरकार आए या फिर से चुनाव कराने पड़ें।

टीवीके के पीछे नौजवानों की ताकत है, जिसे जेन–जी माना जा रहा है। सोशल मीडिया के जरिए चुनाव जीतना एक बात है, लेकिन सत्ता के खेल को खेलना दूसरी बात है। इस पीढ़ी को घोषणापत्र पढ़ना, आर्थिक मुद्दों का अध्ययन करना या नेताओं की जवाबदेही का मतलब भी समझना होगा। परंपरागत राजनीति में भी युवा ही आगे आते हैं। पर समाधान झटपट नहीं मिलते और सिनेमा को नायकों की तरह खासतौर से नहीं।

तमिलनाडु में सिनेमा और राजनीति का गहरा संबंध रहा है। अन्नादुरै, एमजीआर, करुणानिधि और जयललिता जैसे सिनेकर्मी अपनी फिल्मी लोकप्रियता के दम पर मुख्यमंत्री बने। पर वे स्पष्ट एजेंडा और दीर्घकालिक रणनीतियों वाले राजनीतिक नेताओं के रूप में परिपक्व हुए। पहली नजर में लग सकता है कि इतिहास खुद को दोहरा रहा है, एक और अभिनेता राजनीति में प्रवेश कर रहा है। लेकिन हकीकत में विजय के पीछे युवाओं का अंधाधुंध समर्थन, भोलापन है। राजनीतिक–परिपक्वता नहीं।

राज्य के मतदाता सत्ता–विरोधी लहरों पर सवार हैं। दशकों से वे द्रमुक और अद्रमुक दोनों को रोटेट करके नियंत्रित रखते आए हैं। मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में जयललिता के निधन के बाद, नेतृत्व के अभाव और पार्टी की अंदरूनी खींचतान के कारण अन्नाद्रमुक पृष्ठभूमि में चली गई है। इस शून्य के कारण संभवतः टीवीके का उदय हुआ है।

टीवीके के संगठित प्रशंसक क्लब है। इसके ज्यादातर कार्यकर्ता विजय के प्रशंसक हैं, जो फिल्मों के रिलीज पर खुशी मनाने के आदी हैं, नीतियों पर बहस करने के नहीं। डीएमके, एआईएडीएमके, सीपीआई, सीपीआई–एम, वीसीके आदि जैसी सभी प्रमुख कार्यकर्ता–आधारित पार्टियों के विपरीत, जो राजनीतिक शिक्षा पर जोर देती हैं।

भारत में राजनीतिक 'स्टार्टअप' को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में रख सकते हैं। एक, किसी आंदोलन से उत्पन्न, दो, किसी पारिवारिक नाम, व्यक्तित्व या वंश के इर्द–गिर्द निर्मित, और तीन, किसी सामाजिक या धार्मिक समूह या विशिष्ट विचारधारा के इर्द–गिर्द विकसित। आंध्र में अस्सी के दशक में एनटी रामाराव के नेतृत्व में तेलुगु देशम को और दिल्ली में आम आदमी पार्टी को काफी सफलता मिली, पर दोनों मौकों पर जनता को विकल्पों की जबर्दस्त जरूरत थी।

वर्ष 1977 में जनता पार्टी भी राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा ही 'स्टार्टअप' था। 1967 में जब देश में गठबंधन सरकारों का दौर शुरू हुआ, तब भी वह विकल्प खोजने का प्रयास था। टीडीपी ने अपने गठन के एक साल बाद, 1983 में आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनावों में भारी बहुमत से जीत हासिल की थी और 201 सीटें जीती थीं। एजीपी ने 1985 में अपने गठन के तुरंत बाद असम आंदोलन से जुड़े स्वतंत्र प्रतिनिधियों के समर्थन से सरकार बनाई थी।

1977 में जनता पार्टी ने तो 'यूनिकॉर्न' के रूप में ही शुरुआत की थी, पर वह अपने अंतर्विरोधों को संभाल नहीं पाई और देखते ही देखते अनेक दलों में विभाजित हो गई। बहुत कम राजनीतिक स्टार्टअप 'यूनिकॉर्न' बन पाए हैं। कुछ को समय लगा, जबकि कुछ विफल हो गए। पिछले साल बिहार में जन सुराज पार्टी के साथ ऐसा ही हुआ। अभिनेता से राजनेता बने कमल हासन की मक्काल नीधि मय्यम भी ऐसी ही एक पार्टी है।

बिहार में पुष्पम प्रिया चौधरी के नेतृत्व वाली प्लूरल्स पार्टी जैसी कई छोटी–छोटी नवगठित पार्टियां हैं। वहीं, जीतन राम मांझी का हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (धर्मनिरपेक्ष) और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा जैसी छोटी पार्टियां भी हैं, जिनकी महत्वाकांक्षाएं सीमित हैं और वे कुछ खास क्षेत्रों तक ही सीमित हैं। उ.प्र. में निषाद पार्टी, पीस पार्टी, अपना दल (सोनेलाल) और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) जैसी पार्टियां हैं, पर ज्यादातर सीमित जातीय क्षेत्र होने के कारण बड़े स्तर पर जगह नहीं बना पाईं। इस किस्म के प्रयासों की संख्या बहुत बड़ी है। देश के राजनीतिक परिदृश्य पर नजर डालें तो छह राष्ट्रीय पार्टियां हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार, मई, 2026 तक इनमें भारतीय जनता पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), बहुजन समाज पार्टी, नेशनल पीपुल्स पार्टी और आम आदमी पार्टी इस श्रेणी में शामिल हैं। मान्यता चुनावी प्रदर्शन के आधार पर मिलती है।

जहां कांग्रेस का उदय स्वतंत्रता आंदोलन से हुआ, वहीं भाजपा, माकपा, बसपा और 'आप' का उदय उनकी राजनीतिक गतिविधियों के सहारे हुआ। एनपीपी मुख्यतः मेघालय की पार्टी है, जिसका गठन पीए संगमा ने 2013 में किया था। टीवीके की तुलना 1982 में आंध्र प्रदेश में उभरी तेलुगु देशम से की जा सकती है, जिसके पीछे फिल्म अभिनेता एनटी रामाराव की लोकप्रियता थी। वर्ष 1972 में एमजी रामचंद्रन द्वारा स्थापित अन्ना द्रमुक वस्तुतः द्रमुक से टूटकर उसके ही विकल्प के रूप में बनी थी। एमजीआर के बाद इसे जयललिता जैसा नेतृत्व मिला। इस तथ्य पर भी ध्यान दें कि तमिलनाडु की द्रविड़–राजनीति में सिनेमा के कलाकारों की जबर्दस्त भूमिका रही है।

पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस, ओडिशा की बीजू जनता दल और तेलंगाना की एआईएमआईएम जैसी पार्टियां जो क्षेत्रीय स्तर पर शक्तिशाली बनकर उभरी हैं, उन्हें या तो किसी ऐसे जाने–माने राजनीतिक नेता के नेतृत्व में सफलता मिली है, जिन्होंने मूल पार्टी से अलग होकर पार्टी बनाई (ममता बनर्जी), या फिर पारिवारिक साख (नवीन पटनायक और असदुद्दीन ओवैसी) के कारण। हालांकि, एआईएमआईएम का गठन काफी पहले हुआ था, लेकिन ओवैसी के नेतृत्व में इसे लोकप्रियता मिली। उ. प्र. में समाजवादी पार्टी, बिहार के राष्ट्रीय जनता दल और कर्नाटक के जनता दल (समाजवादी) के पीछे समाजवाद और जय प्रकाश नारायण के आंदोलनों की पृष्ठभूमि जरूर है, पर वे अब पारिवारिक साख पर केंद्रित हैं। लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास), एनसीपी (एसपी), शिवसेना (यूबीटी) जैसी अन्य पार्टियाँ भी कमोबेश ऐसी ही पार्टियां हैं।

तमिलनाडु में विदुथलाई चिरुथाइगल काट्चीं (वीसीके) दलितों की सुरक्षा के लिए एक आंदोलन के इर्द–गिर्द बनी थी और तमिलनाडु में इसे सीमित सफलता मिली है। पार्टियों की संख्या बढ़ते जाना, लोकतंत्र में गलत तो नहीं है, पर तब तक निरर्थक है, जब तक उसका कोई वैचारिक अर्थ न हो।–लेखक वरिष्ठ संपादक रहे हैं।

युद्ध

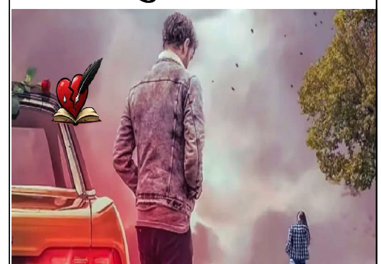

(लघुकथा)

—डॉ राजेंद्र सिंह 'राही'

विभा की आँखों से आँसू बहता देख हरेंद्र अपनी कुर्सी से उठकर सोफे पर बैठी विभा के बगल में आकर बैठ गए। विभा एकटक दीवार पर टंगी गौरव की तस्वीर निहार रही थी, जो अपनी पढ़ाई पूरी कर विदेश में ही नौकरी करने लग गया था। हरेंद्र ने धीरे से अपना हाथ विभा के हाथ पर रखते हुए कहा, 'इस तरह हर समय रोती रहोगी, तो तबियत और बिगड़ जायेगी। धैर्य रखो, सब ठीक हो जाएगा।।

हरेंद्र की तसल्ली का विभा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा उल्टे वह पहले से ज्यादा भावुक हो गई और गौरव की तस्वीर निहारती हुई सुबक–सुबक कर रोने लगी। हरेंद्र के पास विभा को समझाने के सिवाय और कोई उपाय नहीं था। वे समझ रहे थे कि विभा की वेदना बेवजह नहीं है। पांच दिन से गौरव की कोई खोज–खबर नही मिल पा रही है। उनके भी मन में बेटे की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। लेकिन वे उस चिंता को विभा से नहीं कह पा रहे थे क्योंकि इससे विभा का दुःख और बढ़ जाने का डर था। हरेंद्र और विभा रोज कई बार गौरव के पास फोन लगाते लेकिन उसकी मोबाइल से सम्पर्क न हो पाने के कारण बात नहीं हो पा रही थी। इससे तरह–तरह की आशंकाएँ मन को विचलित करने लगीं थी। विभा का तो बेटे की चिंता में रो–रोकर बुरा हाल हो गया था। पांच दिन पहले जब गौरव से बात हुई थी, तब उसने बताया था कि वहाँ चल रहे युद्ध के कारण स्थिति बहुत खराब है। अगल–बगल हो रही बमबारी से मन में हर समय अनहोनी का भय बना रहता है। यह सुनकर विभा बहुत परेशान हो गई थी और उसने गौरव से कहा था कि वह तुरंत भारत वापस चला आये किन्तु युद्ध का दायरा तेजी से बढ़ जाने के कारण गौरव को अपने देश वापस आने का अवसर नहीं मिल पाया और अब तो उसका वापस होना असंभव सा हो गया था क्योंकि उस देश में वायु यातायात लगभग बंद सी हो गई थी। ऐसी स्थिति में उसके वापस आने का अब एक ही रास्ता बचा था और वह यह था कि सरकार इसमें हस्तक्षेप करे और अपने वायुयान से वहाँ फंसे अपने लोगों को निकाले। इस सम्बन्ध में सरकार के द्वारा समय–समय पर अपने देशवासियों को आश्वस्त भी किया जा रहा था कि वह अपने नागरिकों **की सुरक्षा पर ध्यान बनाये हुए हैं और युद्धरत देश में रह रहे किसी भी भारतीय को कोई नुकसान नहीं होने पायेगा। हरेंद्र अपनी उलझन कम करने और युद्ध की स्थिति जानने के लिए थोड़ी–थोड़ी देर में टेलीविजन पर प्रसारित समाचार देखते रहते थे किन्तु विभा को कुछ नहीं सूझ रहा था। वह गौरव की चिंता में घुली जा रही थी और उसका हाल–चाल पाने को बेचैन थी। उसने हरेंद्र से फिर कहा, 'गौरव के पास फोन लगाइये, हो सकता है लग जाय....' हरेंद्र विभा की उलझन समझ रहे थे।** उसका मन रखने के लिए उन्होंने गौरव के पास फोन लगाया, किन्तु वही जवाब कि फोन बंद हैय सुनकर विभा का चेहरा उतर गया। मन में अनेक प्रकार की आशंकाएं हिलोरें लेने लगीं थीं। हरेंद्र ने विभा की व्यथा कम करने के लिए कहा, । तुम इतना परेशान मत हो। वहाँ की सरकार ने लोगों को अफवाह से बचाने के लिए मोबाइल सेवा बंद कर दिया होगा। **तुम देखना युद्ध खत्म होते ही मोबाइल सेवा फिर चालू हो जाएगी और गौरव से हमारी....। हरेंद्र की बात पूरी होने से पहले ही विभा ने उन्हें टोकते हुए कहा, 'आप हमें झूठी तसल्ली मत दीजिए।** मुझे मालूम है कि आप मेरा मन बहलाने के लिए ऐसा कह रहे हैं। पाँच दिन हो गए, गौरव की ..कोई खबर नही है।'

हरेंद्र विभा की व्याकुलता देखकर विह्वल हो गये और भरी आँखों से उन्हें समझाते हुए फिर कहा, 'भगवान पर भरोसा रखो, सब ठीक हो जाएगा। देखना बहुत ही जल्द गौरव हमारे पास होगा।' किन्तु बेटे की चिंता में विभा की वेदना असह्य होती जा रही थी। उसने हरेंद्र की तरफ कातर भरी निगाह से देखते हुए कहा, 'मुझे... कुछ नहीं सुनना है। बस, अपने बेटे से बात...' ऐसा कहते हुए विभा हरेंद्र से लिपटकर रोने लगी। हरेंद्र कोुछ कुछ नहीं सूझ रहा था कि वे क्या करें, क्या न करें। वह मनहृ ही मन ईश्वर से प्रार्थना करने लगे कि हे प्रभु! मेरे बेटे पर कृपा करना और उसे सुरक्षित रखना।

थोड़ा ही समय हुआ था कि मोबाइल की घंटी बजी। जिसे सुनते ही विभा को ऐसा प्रतीत हुआ कि वह गौरव का फोन है। वह चौंककर बोली, '.. मेरे बेटे का फोन है..' वह सोफे से उठी, उसके पहले ही हरेंद्र ने पास में मेज पर रखे मोबाइल को उठा लिया और जैसे ही स्क्रीन को देखा, वे अचंभित हो गये। वह गौरव का फोन था। उन्होंने झट से फोन रिसीव करते हुए स्पीकर आन कर दिया और पूछने लगे, 'बेटा तुम कहाँ हो, कैसे हो? ....।' गौरव ने बात करते हुए बताया कि वह ठीक है और जल्द ही घर वापस आ रहा है। बेटे की आवाज सुन विभा की चेतनाएं लौट आईं और उसकी आँखों में खुशियाँ चमकने लगीं।

जिस डाल पर बैठे हो वो टूट भी सकती है, बृजभूषण सिंह की पोस्ट ने सियासत में मचाई खलबली

संवाददाता–गोण्डा। यूपी में रविवार को योगी मंत्रिमंडल का विस्तार हो गया है। लेकिन इससे कुछ घंटे पहले कैसरगंज से पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट डाल दी। बृजभूषण शरण सिंह की इस पोस्ट ने सियासत में खलबली मचा दी। अपने एक्स एकाउंट पर बृजभूषण शरण सिंह ने लिखा–शोहरत की बुलंदी भी पल भर का तमाशा है, जिस डाल पर बैठे हो वो टूट भी सकती है। हालांकि बृजभूषण शरण सिंह की इस पोस्ट का सियासत में कई मायने निकाले जा रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि योगी मंत्रिमंडल को लेकर पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे प्रतीक भूषण शरण सिंह का नाम चर्चा में था, लेकिन शनिवार को जब संभावित मंत्रियों की लिस्ट हुई तो उसमें प्रतीक का नाम गायब था। जिसके चलते बृजभूषण नाराज चल रहे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार के रविवार को हुए दूसरे मंत्रिमंडल विस्तार के तहत छह नए मंत्रियों को शपथ दिलाई गई। साथ ही दो राज्यमंत्री का प्रमोशन देकर उन्हें स्वतंत्र प्रभार का दर्जा दिया गया है। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने 'जन भवन' में आयोजित समारोह में इन मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई है। इनमें सपा से बगावत करने वाले विधायक मनोज पांडेय और भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी भी शामिल हैं। दोनों को ही कैबिनेट मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इसके अलावा हंसराज विश्वकर्मा, कैलाश राजपूत, कृष्णा पासवान और सुरेंद्र दिलेर को राज्य मंत्री पद की शपथ दिलायी गयी। इसके अलावा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री अजीत सिंह पाल और ऊर्जा राज्य मंत्री सोमेंद्र तोमर को स्वतंत्र प्रभार के राज्य मंत्री पद की शपथ दिलायी गयी।

योगी सरकार में मंत्री बनने वाले नये लोगों में मनोज पांडेय ब्राह्मण, भूपेंद्र चौधरी जाट, हंसराज विश्वकर्मा और कैलाश राजपूत अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) तथा कृष्णा पासवान और सुरेंद्र दिलेर दलित वर्ग से ताल्लुक रखते हैं। मुरादाबाद के रहने वाले भूपेंद्र चौधरी को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रमुख जाट नेताओं में गिना जाता है। चौधरी इससे पहले वर्ष 2017 से 2019 तक पंचायती राज राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और बाद में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। मनोज पांडेय रायबरेली की ऊंचाहार विधानसभा सीट से विधायक हैं। वह वर्ष 2012–17 में सपा सरकार में भी कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। अवध क्षेत्र में ब्राह्मण समाज के बड़े नेता माने जाने वाले पांडेय वर्ष 2022 में सपा के टिकट पर विधायक चुने गए थे और वह विधानसभा में सपा के मुख्य सचेतक भी रहे।

हंसराज विश्वकर्मा भाजपा के विधान परिषद सदस्य विश्वकर्मा पिछड़े वर्ग की राजनीति में मजबूत पकड़ रखने वाले नेता माने जाते हैं। वर्ष 1989 से एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में अपना सियासी सफर शुरू करने वाले विश्वकर्मा पिछले 34 वर्षों से सक्रिय राजनीति में हैं। भाजपा विधायक कैलाश सिंह राजपूत ओबीसी समुदाय के शीर्ष नेताओं में गिने जाने वाले राजपूत वर्तमान में कन्नौज की तिर्वा सीट से विधायक हैं। उन्होंने वर्ष 1996 में पहली बार इसी सीट से भाजपा उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की थी। कृष्णा पासवान फतेहपुर जिले की खागा सीट से भाजपा विधायक कृष्णा पासवान की गिनती क्षेत्र की प्रमुख दलित नेताओं में की जाती है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रूप में समाज में बदलाव के लिये संघर्ष से राजनीति में कदम रखने वाली कृष्णा वर्ष 2022 में चौथी बार विधायक चुनी गयी हैं। विधायक सुरेंद्र दिलेर अलीगढ़ जिले की खैर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक हैं और उनकी गिनती भाजपा के प्रमुख दलित युवा नेताओं में की जाती है। सुरेंद्र हाथरस के पूर्व भाजपा सांसद राजवीर सिंह दिलेर के पुत्र हैं। उनके दादा किशन लाल दिलेर छह बार विधायक और चार बार सांसद रह चुके हैं।

सपा नेताओं की भाषा स्तरहीन मानसिकता को दर्शाती है –शशांक मणि

संवाददाता–देवरिया। भाजपा नेताओं ने प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी पर कथित टिप्पणी को लेकर समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। सदर सांसद शशांक मणि ने कहा कि सपा नेताओं की भाषा उनकी ष्स्तरहीन मानसिकताष को दर्शाती है। पुरवा स्थित कार्यालय पर सांसद शशांक मणि ने कहा कि पंकज चौधरी सात बार सांसद रहे हैं और लंबे समय से जनता के बीच सक्रिय हैं। उनके खिलाफ व्यक्तिगत टिप्पणी निंदनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के नेता पहले भी भगवान राम और माता कौशल्या के खिलाफ अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर चुके हैं।

सांसद ने आगे कहा कि अखिलेश यादव और उनकी पार्टी ने केवल प्रदेश अध्यक्ष का ही नहीं, बल्कि पूरे कुर्मी समाज का अपमान किया है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की जनता इसका जवाब देगी।

इस दौरान भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय ने कहा कि पंकज चौधरी के खिलाफ जिस प्रकार की भाषा का इस्तेमाल किया गया, वह समाजवादी पार्टी की राजनीतिक संस्कृति को दर्शाता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सपा नेताओं ने पहले भी संतों और सनातन धर्म के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिए हैं।

भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि पिछड़े समाज के नेताओं की बढ़ती लोकप्रियता से समाजवादी पार्टी परेशान है। इसी कारण वह व्यक्तिगत टिप्पणियों पर उतर आई है। उन्होंने सपा नेताओं पर महिलाओं के खिलाफ भी अशोभनीय भाषा प्रयोग करने का आरोप लगाया। भाजपा नेताओं ने सपा की इन टिप्पणियों की निंदा करते हुए इसे सामाजिक सौहार्द के खिलाफ बताया और कार्यकर्ताओं से पार्टी की नीतियों को जनता तक पहुंचाने की अपील की।

स्पोर्ट्स स्टेडियम ग्रीन ने हॉकी प्रतियोगिता जीती

संवाददाता–देवरिया। रवीन्द्र किशोर शाही स्टेडियम में एक दिवसीय हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में स्पोर्ट्स स्टेडियम ग्रीन टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। कुल चार टीमों ने इसमें हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का पहला मैच ज्ञान प्रकाश इंटर कॉलेज और स्पोर्ट्स स्टेडियम ग्रीन के बीच खेला गया। इसमें स्पोर्ट्स स्टेडियम ग्रीन ने एक गोल से जीत दर्ज की, जिसमें अजय ने निर्णायक गोल किया। दूसरा मैच सीवान और स्पोर्ट्स स्टेडियम रेड के बीच हुआ, जिसमें सीवान की टीम दो गोल से विजयी रही। फाइनल मुकाबला स्पोर्ट्स स्टेडियम ग्रीन और सीवान के बीच खेला गया। इस मैच में स्पोर्ट्स स्टेडियम ग्रीन ने सीवान को 5–0 के बड़े अंतर से हराकर ट्रॉफी जीती। विजेता टीम की ओर से पहला गोल साहिल ने, दूसरा सोभित ने, तीसरा अजय ने और चौथा व पांचवां गोल अरिंदम तिवारी ने किया। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी और मेडल से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में जिला हॉकी सचिव अकरम सिद्दीकी और क्रीड़ा अधिकारी अनुराग श्रीवास्तव ने खिलाड़ियों को मेडल प्रदान किए। इस प्रतियोगिता में रवि कनोजिया और सुप्रिया कुमारी ने निर्णायक की भूमिका निभाई। प्रतियोगिता का सफल आयोजन हॉकी प्रशिक्षक शकील अहमद द्वारा किया गया।

भारत–नेपाल सीमा स्तंभों का संयुक्त निरीक्षण, मरम्मत पुनर्निर्माण और सुरक्षा–समन्वय पर बनी सहमति

संवाददाता–श्रावस्ती। भारत–नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित सीमा स्तंभों की मरम्मत और पुनर्निर्माण को लेकर दोनों देशों के अधिकारियों ने संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान सीमा सुरक्षा और समन्वय को मजबूत करने पर सहमति बनी। यह निरीक्षण रविवार को किया गया, जिसमें नेपाल द्वारा किए जा रहे सीमा स्तंभों के मरम्मत और पुनर्निर्माण कार्यों की प्रगति का स्थलीय जायजा लिया गया। भारतीय दल का नेतृत्व डायरेक्टर ऑफ सर्वे श्री दुर्गेश नंदन पाठक ने किया। निरीक्षण के दौरान भारत की ओर से डिप्टी सुपरिटेंडेंट सर्वेयर श्री पी.के. आर्या अपनी सर्वे टीम के साथ मौजूद रहे। 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), भिनगा के कमांडेंट श्री अमरेंद्र कुमार वरुण सहित एसएसबी के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। नेपाल राष्ट्र की ओर से डिप्टी डायरेक्टर जनरल श्री सुशील डोंगल और चीफ सर्वे ऑफिसर श्री रमेश ग्यावली अपनी टीम के साथ शामिल हुए। नेपाल सशस्त्र पुलिस बल के अधिकारी भी निरीक्षण दल का हिस्सा थे। संयुक्त निरीक्षण के बाद सीमा चौकी सुईयां में एक समन्वय बैठक आयोजित की गई। श्री दुर्गेश नंदन पाठक की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में भारत और नेपाल के सर्वे दलों तथा सुरक्षा बलों के अधिकारियों ने भाग लिया। इसमें सीमा स्तंभों की मरम्मत, पुनर्निर्माण, स्पष्ट पहचान, दीर्घकालिक स्थिरता और सुरक्षा व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के दौरान दोनों देशों के अधिकारियों ने सीमा स्तंभों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए आपसी समन्वय, सहयोग और निरंतर संवाद को मजबूत करने पर सहमति जताई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सीमा से जुड़े सभी कार्य सौहार्दपूर्ण वातावरण में, पारस्परिक विश्वास और अंतरराष्ट्रीय समझौतों के अनुरूप संयुक्त रूप से किए जाएंगे ताकि भविष्य में कोई भ्रम या विवाद उत्पन्न न हो। अधिकारियों ने संयुक्त प्रयासों से भारत–नेपाल सीमा क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और सौहार्द बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रकार के समन्वित निरीक्षण और बैठकों के आयोजन पर जोर दिया।

भाजपा महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं ने सपा सांसद के आवास पर किया प्रदर्शन

संवाददाता–श्रावस्ती। रविवार को भाजपा की महिला मोर्चा ने श्रावस्ती सांसद के आवास का घेराव कर अखिलेश यादव मुर्दाबाद के नारे लगाए। यह प्रदर्शन संसद में महिला आरक्षण विधेयक (नारी शक्ति वंदन योजना) का विरोध करने वाले विपक्षी दलों के खिलाफ किया गया। महिला मोर्चा ने विपक्ष पर महिला विरोधी मानसिकता का आरोप लगाया। भारतीय जनता पार्टी श्रावस्ती की महिला मोर्चा के तरफ से सपा सांसद राम शिरोमणि वर्मा के आवास का महिलाओं ने घेराव किया। भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने सांसद आवास के बाहर जोरदार नारेबाजी की और हाथों में तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया। उन्होंने महिलाओं का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान,नारी शक्ति का विरोध बंद करो, महिला विरोधी सोच मुर्दाबाद, और समाजवादी पार्टी मुर्दाबाद, अखिलेश यादव मुर्दाबाद जैसे नारे लगाए। कार्यकर्ताओं ने कहा कि जो दल महिलाओं को उनका अधिकार देने के खिलाफ हैं जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी।ललित तिवारी भाजपा जिला महामंत्री महिला मोर्चा बलरामपुर व आरती तिवारी जिला पंचायत अध्यक्ष बलरामपुर के नेतृत्व में सैकड़ो की संख्या में महिलाओं ने विभिन्न प्रकार के नारे का उद्घोष करते हुए श्रावस्ती सांसद राम शिरोमणि वर्मा के कटरा आवास पर पहुंची। इस दौरान महिलाओं ने एक साथ नारा दिया श्रावस्ती की नारी सशक्त नारी, नारी का सम्मान करो नारी का सम्मान करो,हम लोगों ने ठाना है नारी की जिम्मेदारी निभाना है, जो हमसे टकराएगा चूर–चूर हो जाएगा आदि नारे के साथ अपनी आवाज को बुलन्द किया। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी की भूमिका पर बोलते हुए आरती तिवारी जिला पंचायत अध्यक्ष बलरामपुर ने कहा कि पार्टी में बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक महिलाओं को सक्रिय और सम्मानजनक भागीदारी दी जाती है। महिला मोर्चा देशभर में नारी सशक्तिकरण के लिए प्रभावी कार्य कर रहा है। वही अर्चना बाजपेई जिला कार्य समिति सदस्य श्रावस्ती ने कहा कि विपक्ष केवल वोट बैंक की राजनीति करती। केंद्र सरकार महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के लिए ऐतिहासिक कदम उठा रही है लेकिन विपक्ष केवल वोट बैंक की राजनीति के चलते इसका विरोध कर रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष हमेशा महिलाओं के अधिकारों को दबाने का काम करता आया है। चुनावों के दौरान मतदान केंद्रों पर महिलाओं की लंबी कतारें इस बात का प्रमाण हैं कि भारत की महिलाएं अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति जागरूक हैं और देश के विकास में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। इस अवसर पर संध्या मुखर्जी, कमलेश श्रीवास्तव, संगीता श्रीवास्तव, रामा वटी आदि भाजपा की महिला कार्यकर्ता मौजूद रही।

श्रीराम कथा भी कर ली गई 'हाईजैक' मैं इकलौता भाजपा विधायक था, इसलिए कार्ड तक नहीं दिया, सपाइयों को खूब बांटे –बावन सिंह

संवाददाता–गोण्डा। कटरा बाजार विधानसभा से भाजपा विधायक बावन सिंह ने अपने क्षेत्र में चल रही श्रीराम कथा में निमंत्रण न मिलने पर खुलकर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा– कुछ लोगों ने श्रीराम कथा तक को "हाईजैक" करके राजनीतिक रंग दे दिया है। बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी से जुड़े लोगों को निमंत्रण बांटे गए। मैं भाजपा का इकलौता विधायक हूं, इसलिए मुझे कार्ड तक नहीं दिया गया। सपा जिलाध्यक्ष और बसपा प्रत्याशियों को मंच पर बुलाकर माला पहनाई गई, पर क्षेत्रीय विधायक होने के बावजूद मुझे बुलाया तक नहीं गया। खैर मैं यहीं से व्यास गद्दी को प्रणाम करता हूं। अपने क्षेत्र में कथावाचक राजन जी महाराज का स्वागत करता हूं। इस दौरान बावन सिंह पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत पर अपने कार्यालय में कार्यकर्ताओं संग जश्न मनाने पहुंचे हुए थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को लड्डू खिलाकर खुशी जाहिर की। प्रदेशाध्यक्ष पंकज चौधरी पर सपा की अभद्र टिप्पणी की आलोचना की और कांग्रेस पर जमकर बरसे।

विधायक बावन चौधरी ने कहा कि कथा का आयोजन बहुत बड़ा और धार्मिक महत्व का है, लेकिन इसे राजनीतिक कारणों से प्रभावित किया गया। मैं अपने विधानसभा क्षेत्र का इकलौता भाजपा विधायक हूं, इसी कारण मुझे निमंत्रण तक नहीं मिला। सपा जिला अध्यक्ष अरशद हुसैन और पूर्व बसपा प्रत्याशी व सपा नेता मसूद आलम जैसे लोगों को मंच पर माला पहनाकर सम्मानित किया गया, जबकि मुझे कार्ड तक नहीं दिया गया। बता दें कि श्री राम कथा समिति की ओर से कटरा बाजार ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि भवानी भीख शुक्ला की देखरेख में 3 से 11 मई तक श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्रसिद्ध कथावाचक राजन जी महाराज कथावाचन कर रहे हैं। इससे पहले भी 23 सितंबर को भाजपा विधायक और भाजपा ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि इन दोनों समर्थकों और इन लोगों के बीच मारपीट भी हुई थी। भवानी भीख शुक्ला कटरा बाजार से टिकट की दावेदारी भी कर रहे हैं।

विधायक ने समाजवादी पार्टी की सोशल मीडिया पोस्ट पर भी नाराजगी जताई, जिसमें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी को लेकर टिप्पणी की गई थी। उन्होंने इसे बेहद गलत और अक्षम्य बताते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। विधायक ने राष्ट्रीय राजनीति पर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा तमिलनाडु में नई सरकार को समर्थन दिए जाने पर सवाल उठाते हुए उन्होंने राहुल गांधी से पूछा कि कांग्रेस के पास अब बचा क्या है। उन्होंने दावा किया कि कई राज्यों में कांग्रेस का जनाधार खत्म हो चुका है और आने वाले चुनावों में भाजपा को भारी बहुमत मिलेगा। विधायक ने कहा कि विपक्ष "घड़ियाली आंसू" बहा रहा है और 2027 के यूपी चुनाव में भाजपा प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि योगी आदित्यनाथ दोबारा मुख्यमंत्री बनेंगे और 2029 में नरेंद्र मोदी फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवाद और हिंदू हित की राजनीति ही देश में आगे बढ़ेगी और जनता राष्ट्रहित के खिलाफ आवाज उठाने वालों को सत्ता से बाहर कर देगी।

आयात–निर्यात ठपः नेपाल के नए नियम से सीमा पर लगा जाम, 10 किमी तक लगी ट्रकों की कतार

संवाददाता–महराजगंज। भारत–नेपाल सीमा पर स्थित सोनौली–भैरहवा मार्ग इन दिनों भारी अव्यवस्था का सामना कर रहा है। नेपाल सरकार द्वारा लागू किए गए नए एमआरपी (मैक्सिमम रिटेल प्राइस) नियम के चलते सीमा पर करीब 10 किलोमीटर लंबी मालवाहक ट्रकों की कतार लग गई है।

वहीं नेपाल में शनिवार और रविवार की साप्ताहिक बंदी के कारण भंसार कस्टम परिसर से वाहनों की निकासी प्रभावित हो रही है, जिससे भारतीय ट्रक कई दिनों से सीमा पर फंसे हुए हैं। नेपाल के उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मंत्रालय के वाणिज्य विभाग ने 28 अप्रैल को अधिसूचना जारी कर आयातित पैकेटबंद खाद्य पदार्थों और अन्य तैयार सामानों पर अधिकतम खुदरा मूल्य एमआरपी ब्रांड नाम तथा उपभोग की अंतिम तिथि अंकित करना अनिवार्य कर दिया था। इसके बाद 29 अप्रैल से बिना लेबल वाले सामानों की कस्टम क्लियरेंस रोक दी गई, जिससे सीमा पर ट्रकों की लंबी कतार लग गई। नए नियम लागू होने के बाद कस्टम जांच और दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया धीमी हो गई है। खासकर खाद्य सामग्री, एफएमसीजी और दैनिक उपयोग के सामान लेकर नेपाल जाने वाले ट्रकों को अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लंबी प्रतीक्षा, बढ़ते डीजल खर्च और समय पर डिलीवरी न होने से व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

सीमा पर फंसे ट्रक चालकों के सामने भोजन, पानी और पार्किंग जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी संकट खड़ा हो गया है। भैरहवा–सोनौली सीमा क्षेत्र में अनिश्चितता और अव्यवस्था का माहौल बना हुआ है। व्यापारियों का कहना है कि अचानक लागू किए गए नियमों से भारत–नेपाल व्यापार और सप्लाई चेन प्रभावित हुई है। व्यापारियों और ट्रांसपोर्टरों के बढ़ते दबाव के बाद नेपाल भंसार विभाग ने नियम में आंशिक राहत दी है। अब नेपाल के व्यापारियों को लिखित घोषणा पत्र देने और निजी वेयरहाउस में एमआरपी लगाने की शर्त पर वाहनों को पास किया जा रहा है, जिससे धीरे–धीरे ट्रकों की निकासी शुरू हुई है। भैरहवा भंसार कार्यालय के प्रमुख हरिहर पौडेल ने बताया कि एमआरपी अनिवार्यता लागू होने के बाद कुछ दिनों तक वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही, लेकिन अब जांच और पासिंग प्रक्रिया में तेजी लाई जा रही है।

लोजपा यूपी की सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ेगी –मनोज पाठक

संवाददाता–श्रावस्ती। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज पाठक की अगुवाई में भिनगा मे लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान पार्टी के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष (बिहार) मोहम्मद अशरफ अंसारी ने मीडिया से बातचीत में बताया कि लोजपा उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गठबंधन को लेकर अंतिम निर्णय शीर्ष नेतृत्व द्वारा लिया जाएगा। अंसारी ने पार्टी के 'एम–वाई' (महिला–युवा) फॉर्मूले पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में पार्टी महिला और युवाओं को प्राथमिकता दे रही है। यह रणनीति पिछले चुनावों में भी अपनाई गई थी और आगामी चुनावों में भी इसी के तहत कार्य किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि पार्टी उत्तर प्रदेश में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के सिद्धांत पर काम कर रही है। प्रदेश में संगठन को मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कुछ कार्य पूरे हो चुके हैं, जबकि कई महत्वपूर्ण कार्य अभी भी प्रगति पर हैं। अंसारी ने 'बिहार फर्स्ट' फॉर्मूले का भी जिक्र किया और कहा कि यह केवल बिहार तक सीमित नहीं है, बल्कि पार्टी पूरे देश में इसी सोच के साथ काम कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश और बिहार के लोग एक–दूसरे के पूरक हैं, जिससे पार्टी को दोनों राज्यों में मजबूती मिल रही है। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज पाठक, जिला अध्यक्ष जटाशंकर वाल्मीकि सहित जिले के कई अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

'मेड–इन–पाकिस्तान' का पंखा उतरवाने पहुंची पुलिसः मदरसे में लगा मिला

संवाददाता–कुशीनगर। जिले के दुदही क्षेत्र स्थित एक मदरसे में 'मेड इन पाकिस्तान' लिखा पंखा मिलने से चर्चा का विषय बन गया। पंखे की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों ने मामले की जांच की मांग की। सूचना मिलने पर विशुनपुरा थाना पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मदरसा प्रबंधक सहित दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। यह घटना विशुनपुरा थाना क्षेत्र के जंगल विशुनपुरा गांव स्थित गोसाई पट्टी के मदरसा कादरिया हकीकतुल उलूम से संबंधित है। जानकारी के अनुसार, मदरसे में लगा एक पंखा खराब हो गया था, जिसे मरम्मत के लिए गांव के एक मिस्त्री के पास भेजा गया। इसी दौरान कुछ लोगों की नजर पंखे पर 'मेड इन पाकिस्तान' लिखे होने पर पड़ी।

किसी ने पंखे की तस्वीर खींचकर सोशल मीडिया पर साझा कर दी, जिसके बाद क्षेत्र में तरह–तरह की अटकलें लगाई जाने लगीं और लोगों ने गहन जांच की मांग उठाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए विशुनपुरा पुलिस ने मदरसा प्रबंधक मोहम्मद यूनुस और गांव निवासी शमशुद्दीन को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस जांच में सामने आया कि शमशुद्दीन का पुत्र वाजिद अंसारी पिछले लगभग 10 वर्षों से सऊदी अरब में मजदूरी करता है। उसने वर्ष 2020 में लगभग 80 रियाल में यह पंखा खरीदा था और कार्गो के माध्यम से अपने घर भेजा था। बाद में, वर्ष 2023 में उसने यह पंखा मदरसे को दान कर दिया था।

पुलिस पूछताछ के दौरान पंखा खरीदने से संबंधित आवश्यक दस्तावेज भी प्रस्तुत किए गए। जांच में कोई भी संदिग्ध तथ्य सामने नहीं आने पर पुलिस ने दोनों व्यक्तियों को छोड़ दिया। विशुनपुरा थानाध्यक्ष विनय मिश्रा ने बताया कि पंखा सऊदी अरब से खरीदा गया था और उसके खरीद संबंधी कागजात भी उपलब्ध करा दिए गए हैं। उन्होंने पुष्टि की कि फिलहाल इस मामले में कोई आपत्तिजनक तथ्य नहीं मिला है।

बालाजी गैस एजेंसी पर उपभोक्ताओं का फूटा गुस्साः महीनों पुरानी बुकिंग के बाद भी नहीं मिल रहे सिलेंडर

संवाददाता–बलरामपुर। जिले में रसोई गैस वितरण व्यवस्था को लेकर उपभोक्ताओं का गुस्सा एक बार फिर सामने आया है। कालीथान स्थित बालाजी गैस एजेंसी के खिलाफ लगातार मिल रही शिकायतों की जांच करने पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों के जाने के बाद बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने एजेंसी के बाहर प्रदर्शन किया। रविवार सुबह करीब 10 बजे एसडीएम सदर हेमंत गुप्ता और जिला पूर्ति अधिकारी कुमार निर्मलेंद्र सहित प्रशासनिक टीम एजेंसी पहुंची। अधिकारियों ने एजेंसी संचालकों से उपभोक्ताओं की शिकायतों पर जवाब मांगा और गैस वितरण व्यवस्था में तत्काल सुधार के निर्देश दिए। इसी दौरान वहां मौजूद उपभोक्ताओं का आक्रोश भड़क उठा।

प्रदर्शन कर रहे उपभोक्ताओं का आरोप था कि कई सप्ताह पहले गैस बुकिंग कराने के बावजूद उन्हें अब तक सिलेंडर नहीं मिले हैं। उपभोक्ताओं ने बताया कि एजेंसी द्वारा न तो समय पर होम डिलीवरी की जा रही है और न ही गैस की उपलब्धता के बारे में स्पष्ट जानकारी दी जा रही है। लोगों को रोज एजेंसी और गोदाम के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। नगर निवासी दिनेश ने बताया कि उन्होंने अप्रैल के अंतिम सप्ताह में गैस बुक कराई थी, लेकिन उन्हें आज तक सिलेंडर नहीं मिला। हर बार एजेंसी पर केवल नई तारीख दे दी जाती है। जुवाथान निवासी एक अन्य उपभोक्ता ने शिकायत की कि पहली बुकिंग का सिलेंडर अब तक नहीं मिला है, जबकि दूसरी बुकिंग का समय भी आ गया है।

उपभोक्ता विक्की ने आरोप लगाया कि एजेंसी पर केवल पर्ची लेने के लिए घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ता है। पर्ची मिलने के बाद भी सिलेंडर कब मिलेगा, इसकी कोई गारंटी नहीं रहती। लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि गोदाम से चुनिंदा लोगों को पहले सिलेंडर दिए जा रहे हैं।

सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाकर जाम समाप्त कराया। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि शिकायतों की निष्पक्ष जांच की जाएगी, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी और गैस वितरण व्यवस्था जल्द ही सामान्य कर दी जाएगी।

डीएम ग्राहक बनकर पहुंचे गैस एजेंसीः ग्राहकों की रसोई गैस आपूर्ति की शिकायतों के बाद किया निरीक्षण

संवाददाता–देवरिया। रसोई गैस की किल्लत और अनियमित आपूर्ति की शिकायतों के बाद जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने रविवार को ग्राहक बनकर गैस एजेंसियों का औचक निरीक्षण किया। डीएम के अचानक पहुंचने से एजेंसी कर्मचारियों और उपभोक्ताओं में हड़कंप मच गया। जिलाधिकारी सबसे पहले भारत गैस एजेंसी पहुंचे, जहां उन्होंने सामान्य उपभोक्ता की तरह गैस वितरण व्यवस्था की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने एचपी गैस ग्रामीण वितरण केंद्र का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने गैस सिलेंडरों की उपलब्धता, वितरण प्रणाली, स्टॉक रजिस्टर और उपभोक्ता अभिलेखों की गहन जांच की। उन्होंने एजेंसी संचालकों को निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को तय समय पर पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएं। जिलाधिकारी ने साफ कहा कि गैस वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता, कालाबाजारी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिकायत मिलने पर संबंधित एजेंसी संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मौके पर मौजूद उपभोक्ताओं से बातचीत के दौरान कई लोगों ने समय पर सिलेंडर नहीं मिलने और वितरण में देरी की शिकायत की। इस पर डीएम ने अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि गैस वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता और सुरक्षा मानकों का पालन हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। साथ ही अधिकारियों को नियमित निरीक्षण और लगातार निगरानी रखने के निर्देश भी दिए।

इंटर कॉलेज के प्रिंसिपल ने सुसाइड किया: नोट में लिखा– वो बेवफा कई घर बर्बाद करेगी, शिक्षिका ने मुझसे शारीरिक संबंध बनाए

संवाददाता–गोरखपुर। इंटर कॉलेज के प्रिंसिपल ने सुसाइड कर लिया। रविवार को कॉलेज के ही एक कमरे में उनका शव फंदे से लटका मिला। मरने से पहले प्रिंसिपल ने सुसाइड नोट लिखकर वीडियो बनाया। जिसे उसने अपने वाट्सएप के स्टेट्स पर लगाया। प्रिंसिपल ने सुसाइड नोट में लिखा कि मेरी मौत की जिम्मेदार मेरी गर्लफ्रेंड और उसके परिवार वाले हैं। गर्लफ्रेंड शादी का झांसा देकर लगातार मुझसे संबंध बनाती रही। अब उसने शादी से इनकार कर दिया। वह मुझे धमकी दे रही है। वह कहती है कि खुद से मर जाओ। वह लड़की धोखेबाज और बेवफा है। वह कई लोगों का घर बर्बाद करेगी। पुलिस ने बताया कि प्रिंसिपल का कॉलेज की एक टीचर से अफेयर था। पहले उसके घरवाले शादी के लिए तैयार थे। बाद में मना कर दिया। घटना चौरी चौरा थाना क्षेत्र की है। चौरीचौरा थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर के पूर्व प्रधान दिनेश सिंह का गांव के बाहर यदुवंश सिंह पार्वती देवी नाम से इंटर कॉलेज है। इसके वह प्रबंधक हैं। जबकि उनका बड़ा बेटा धीरज सिंह (30) कॉलेज में प्रिंसिपल है। रविवार सुबह जब काफी देर तक वह घर नहीं लौटे। तो उनका छोटा भाई सत्यप्रकाश सिंह उन्हें जगाने पहुंचे। कमरे का दरवाजा बंद मिलने पर उसने कई बार आवाज दी। मगर धीरज सिंह ने कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद उसने कमरे का दरवाजा तोड़ दिया। उसने अंदर देखा कि धीरज का शव रस्सी के सहारे पंखे की कुंडी से लटक रहा था। यह देखकर उसकी चीख निकल गई। शोर सुनकर आसपास से लोग मौके पर पहुंच गए। पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस को धीरज के पैंट की जेब से एक सुसाइड नोट मिला। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए। भाई ने बताया कि भाई की शादी नहीं हुई थी। वह चार भाइयों में सबसे बड़े थे। बताया कि भाई ने जो बातें सुसाइड नोट में लिखी हैं। उसका उन्होंने मरने से पहले एक वीडियो बनाया। जिसे उसने अपने स्टेट्स पर लगाया था। बताया कि भाई का कॉलेज में पढ़ाने वाली एक लड़की से अफेयर था। वह घर आती जाती थी। दोनों परिवार शादी के लिए राजी थे। मगर कुछ दिन पहले लड़की ने शादी करने से मना कर दिया। वह और उसके घरवाले भाई को धमकी देते थे। उन्होंने भाई को जान से मारने की धमकी दी थी। कहा था कि मेरे परिवार को भी जान से मार देंगे। इससे मेरा भाई तनाव में था।

एसपी उत्तरी ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि एक सुसाइड नोट मिला है। जिसमे एक महिला और उसके परिजनों को मौत का जिम्मेदार बताया है। धमकी देने का जिक्र है। प्रिंसिपल के परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने हाईटेंशन लाइन पकड़कर दी जान

संवाददाता–गोरखपुर। पीपीगंज क्षेत्र के डाढ़ाडीह गांव में पत्नी से विवाद के बाद एक युवक ने घर के पास से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन पकड़कर जान दे दी। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।मृतक की पहचान संजय मद्धेशिया (40) पुत्र स्वर्गीय रामप्रसाद मद्धेशिया के रूप में हुई है। रविवार सुबह किसी बात को लेकर उनका पत्नी से विवाद हो गया था। विवाद के बाद आक्रोशित संजय घर की छत पर गया और जीने का दरवाजा बंद कर लिया। इसके बाद छत के बगल से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन का तार पकड़ लिया। करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पीपीगंज पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मृतक अपने पीछे पत्नी और चार बच्चों को छोड़ गया है। एक बेटी की शादी हो चुकी है,जबकि अन्य बच्चे अविवाहित हैं। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। क्षेत्राधिकारी कैंपियरगंज अनुराग सिंह ने बताया कि युवक ने आक्रोश में आकर हाईटेंशन लाइन का तार पकड़ लिया था, जिससे करंट लगने से उसकी मृत्यु हो गई। मामले में नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जा रही है।

43 अन्नपूर्णा भवन बनकर तैयार एक माह में होंगे क्रियाशील

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर में 43 अन्नपूर्णा भवन बनकर तैयार हो गए हैं। एक माह के भीतर सभी क्रियाशील हो जाएंगे। इसके बाद ग्रामीणों को एक ही छत के नीचे राशन और कॉमन सर्विस सेंटर की सुविधा मिलने लगेगी। प्रत्येक अन्नपूर्णा भवन 8.46 लाख रुपये से निर्मित किया गया है। बता दें कि गोरखपुर जिले में पहले से 33 अन्नपूर्णा भवन संचालित हो रहे हैं। 43 नए भवन बन जाने से जिले में कुल 76 अन्नपूर्णा भवन हो जाएंगे। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इस साल 150 अन्नपूर्णा भवनों के निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। इस संबंध में जिला पूर्ति अधिकारी रामेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि 43 अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। फिनिशिंग का कार्य चल रहा है।

स्कूटी सवार बदमाशों ने युवक का मोबाइल लूटा

संवाददाता–गोरखपुर। शाहपुर इलाके के जंगल तिनकोनिया नंबर एक स्थित विश्वनाथपुरम कालोनी में रविवार की सुबह मां को छोड़कर घर जा रहे युवक का मोबाइल फोन लूट कर स्कूटी सवार बदमाश फरार हो गए। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की मदद से बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, शाहपुर इलाके के जंगल तिनकोनिया नंबर एक स्थित विश्वनाथपुरम कालोनी निवासी शाहिल कुमार प्रतिदिन की तरह रविवार की सुबह 7 बजे के करीब साईकिल से अपनी माता राजकुमारी देवी को पादरी बाजार चौराहे पर छोड़ने गया था। उसकी माता खजांची चौराहा स्थित एक अस्पताल में काम करती है। साहिल अपनी माता को छोड़ने बाद घर से थोड़ी अम्बेडकर नगर कॉलोनी के पास पहुंचा था कि स्कूटी सवार दो युवकों ने साहिल को रोककर कहा की भाई एक फोन कर दोगे, पीड़ित ने कहां कि उसके मोबाइल मे पैसा नहीं है, इसी दौरान स्कूटी पर पीछे बैठा बदमाश मोबाइल लूट कर मुर्गी फार्म की तरफ फरार हो गए। पीड़ित के शोर मचाने पर आसपास के लोग जुटे और पुलिस को सूचना दी। पीड़ित ने बताया कि अपने घर पहुंचा और दुसरे मोबाइल से अपने नंबर पर फोन किया लेकिन फोन नहीं उठा। इसी दौरान देखा कि उसका व्हाट्सएप ऑनलाइन है पीड़ित ने लिख कर कहा कि भाई मैं गरीब हूं, मेरा मोबाइल दे दिजिए। इतने पर उधर से गाली लिखते हुए कहा कि अपना मोबाइल भूल जाओ, इसका लॉक बता दो।

संदिग्ध परिस्थितियों में जंगल में लटकता मिला युवक का शव

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या के हैदरगंज थाना क्षेत्र के सीहीपुर ग्राम पंचायत के मजरे गोठिया दुबे का पूरा में रविवार की सुबह एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान रोहित चौहान पुत्र बालक राम निवासी सराय मुगल थाना कोतवाली रुदौली के रूप में हुई है। ग्रामीणों के अनुसार रोहित अपने रिश्तेदार की शादी में शामिल होने पांच मई को गांव आया था। शादी के बाद भी वह यहीं रुका हुआ था और उसरा चौराहे पर मजदूरी कर रहा था।

परिजनों ने बताया कि रोहित की अपनी पत्नी से अनबन चल रही थी। शुक्रवार की रात खाना खाने के बाद सभी लोग सोने चले गए थे। रविवार की भोर में ग्रामीणों ने जंगल में युवक का शव देखा और पुलिस को सूचना दी। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राम प्रकाश यादव की सूचना पर कोतवाल हैदरगंज के साथ उपनिरीक्षक अरुण कुमार यादव, कांस्टेबल गौरव व फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक हैदरगंज संतोष कुमार सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

महिला थाना की पहल से चार परिवारों में लौटी खुशियां: काउंसलिंग के बाद पति-पत्नी को एक साथ विदा किया

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जनपद के महिला थाना में रविवार को मिशन शक्ति केंद्र के तहत पारिवारिक विवादों को सुलझाने की सराहनीय पहल देखने को मिली। महिला थाना प्रभारी निरीक्षक भाग्यवती पाण्डेय ने अपनी टीम के साथ काउंसलिंग कर चार बिखरते परिवारों को फिर से एकजुट कराया।

आपसी मनमुटाव और पारिवारिक विवाद को दूर करते हुए चारों जोड़ों को समझा–बुझाकर एक साथ विदा किया गया। महिला थाना परिसर में आयोजित काउंसलिंग के दौरान पति–पत्नी के बीच चल रहे विवादों को गंभीरता से सुना गया तथा दोनों पक्षों को समझाकर आपसी सहमति से साथ रहने के लिए प्रेरित किया गया। थाना प्रभारी भाग्यवती पाण्डेय ने कहा कि परिवार समाज की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है और छोटी–छोटी बातों को संवाद के माध्यम से सुलझाया जा सकता है।

इस दौरान काउंसलिंग टीम में महिला मुख्य आरक्षी आशा गौड़, महिला मुख्य आरक्षी रीना रावत, महिला आरक्षी प्रियंवदा सिंह, महिला आरक्षी प्रगति राय एवं महिला आरक्षी रीना का महत्वपूर्ण योगदान रहा। टीम के प्रयासों से चारों परिवारों में फिर से खुशियां लौट आई।

जिन परिवारों को काउंसलिंग के बाद एक साथ विदा किया गया उनमें नाजिया पत्नी शाबीर निवासी देवकली जगर गढ़िया थाना मोहाना, सकीना पत्नी महबूब निवासी सूरजनगर थाना कोतवाली सिद्धार्थनगर, रजनी यादव पत्नी राकेश यादव निवासी गुजरौलिया थाना चिल्हिया तथा अनीता पत्नी आलोक निवासी छितरापार थाना उसका बाजार शामिल हैं।

भाजयुमो ने जलाया अखिलेश यादव का पुतला

संवाददाता–गोरखपुर। रविवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने इंद्रा बाल विहार तिराहे पर अखिलेश यादव का पुतला जलाया। कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। हाथ में अखिलेश यादव मुर्दाबाद, अखिलेश तुम माफी मांगो वाले पोस्टर लेकर पहुंचे। क्षेत्रीय महामंत्री अंबिकेश धर दुबे ने कहा– सपा प्रमुख पागलखाने में भर्ती हों, इलाज हम करवाएंगे। हाल ही में सपा आईटी सेल नाम के सोशल मीडिया अकाउंट से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी को लेकर की गई टिप्पणी से गोरखपुर ही नहीं पूरे प्रदेश में राजनीति गरमा गई है। भाजपा समर्थकों और कुर्मी समाज के विभिन्न वर्गों ने इसे केवल एक नेता पर व्यक्तिगत हमला नहीं, बल्कि पूरे कुर्मी समाज के स्वाभिमान और सम्मान को ठेस पहुंचाने वाला प्रयास बताया है। सपा मीडिया सेल अकाउंट के पोस्ट में लिखा– रीढ़ की हड्डी सीधी कीजिए भाई साहब, प्लीज। जबसे आप लखनऊ दरबार में अपना आत्मसम्मान गिरवी रखकर चरणों में पड़े हैं और कालिदास दरबार से आदेश लेने लगे हैं तो आपके पुराने दरबार जहां आपने अपनी रीढ़ की हड्डी टेढ़ी करके आत्मसम्मान गिरवी रखा था, वहां उस दरबार की नजरों में आप गिर गए हैं। कहीं तो हड्डी सीधी रखनी थी भाई साहब३। इस पोस्ट में पंकज चौधरी को मेंशन भी किया। इसी मुद्दे पर गोरखपुर में अखिलेश यादव का पुतला जलाकर भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया गया। दैनिक भास्कर से बात करते हुए भाजयुमो के क्षेत्रीय महामंत्री अंबिकेश धर दुबे ने कहादृ देखिए समाजवादी पार्टी लोकतंत्र पर घात करने वाली एक छोटी–सी पार्टी बन गई है। हमारे प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के ऊपर समाजवादी पार्टी के ट्विटर हैंडल और सोशल मीडिया अकाउंट से व्यक्तिगत टिप्पणी से पूरे प्रदेश के भाजपा कार्यकर्ताओं में रोष का माहौल है। अंबिकेश धर दुबे ने कहा– हम लोगों द्वारा गोरखपुर में आज भाजयुमो के कार्यकर्ताओं ने विरोध कर अखिलेश यादव का पुतला जलाया। मैं उनको कहना चाहता हूं कि उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया है तो गोरखपुर में हम लोग उनके इलाज के लिए अस्पताल की व्यवस्था कर रहे हैं। इसी मामले में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सत्येंद्र सिंह ने कहा कि आज की राजनीति में जो विपक्ष की भूमिका होनी चाहिए समाजवादी पार्टी ने उसको भूलकर निचले स्तर की राजनीति में जुट गई है। मेरा मानना है कि अखिलेश यादव फ्रस्ट्रेटेड हो गए हैं। सपा की राजनीतिक पकड़ उत्तर प्रदेश से सरक रही है। आने वाले 2027 विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता इनको सबक सिखाएगी।

चीनी के खौलते शीरे में गिरने से तीन साल के मासूम की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। नगर पंचायत बांसगांव के वार्ड संख्या–4 (डोनखर) में हुई एक दर्दनाक घटना में चीनी के खौलते शीरे में गिरकर तीन वर्षीय मासूम बच्ची की मौत हो गई। घटना शनिवार देर रात की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, वार्ड संख्या–4 (डोनखर) निवासी सुरेश यादव के घर 12 मई को शादी समारोह होना है। विवाह कार्यक्रम के लिए मिठाई एवं भोजन बनाने का ठेका राजेंद्र गुप्ता और उनकी हलवाई टीम ने लिया था। शनिवार की शाम शादी की तैयारियां चल रही थीं। मेहमानों के लिए लालमोहन बनाने के लिए बड़े भगोने में चीनी का शीरा (चाशनी) तैयार कर रखी गई थी।

इसी दौरान राजेंद्र गुप्ता के पुत्र अभिषेक की तीन वर्षीय पुत्री अदिति खेलते–खेलते अचानक खौलते शीरे से भरे भगोने में गिर गई। घटना होते ही वहां मौजूद हलवाई और परिजनों में चीख–पुकार मच गई। हलवाई टीम के लोगों ने तत्काल बच्ची को बाहर निकालने का प्रयास कर दिया। बताया जा रहा है कि बच्ची को बचाने के दौरान कुछ लोगों के हाथ भी बुरी तरह से झुलस गए। गंभीर रूप से झुलसी अदिति को परिजन तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बांसगांव ले गए, जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी हालत नाजुक देख बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान अदिति ने दम तोड़ दिया। इस घटना से परिवार पर मानो पहाड़ टूट पड़ा। शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। मां अंजली गुप्ता बेसुध हो गई है।

सफाई सामजिक कर्तव्य ही नहीं बल्कि दीनी जिम्मेदारी

संवाददाता–गोरखपुर। रविवार को मदरसा रजा–ए–मुस्तफा तुर्कमानपुर में महिलाओं की श्कुर्बानी की अहमियतश विषय पर 32वीं दीनी संगोष्ठी हुई। मदरसे की छात्रा शिफा खातून व शालिबा ने सफाई की अहमियत पर रोशनी डालते हुए कहा कि अल्लाह तआला पाकी को पसंद करता है। हमें अपने बदन, कपड़े, घर और आसपास के माहौल को साफ–सुथरा रखना चाहिए। सफाई हमारी सामाजिक कर्तव्य ही नहीं बल्कि दीनी जिम्मेदारी भी है। मुख्य वक्ता कारी मुहम्मद अनस रजवी ने कहा कुर्बानी का अर्थ होता है कि जान व माल को अल्लाह की राह में खर्च करना। इससे अमीर, गरीब इन अय्याम में खास बराबर हो जाते हैं। संचालन करते हुए मुअज्जमा कुरैशी ने कहा कि मुस्लिम समाज द्वारा लगातार तीन दिन तक कुर्बानी की जाती है। कुरआन–ए–पाक की तिलावत शिफा नूर ने की। हम्द ओ नात सादिया, सना फातिमा, सुमैया व सना ने पेश की। महफिल में आसमां खातून, हिना खातून, उमरा खातून, नूरजहां शरीफी, अदीबा, अलविया, फिजा खातून, शबनम खातून, तमन्ना, साहिबा खातून, अंजुम आरा आदि मौजूद रहीं। अध्यक्षता ज्या वारसी और संचालन मुबस्सिरा कुरैशी ने किया।

स्वास्थ्य मेले में 26 मरीजों का उपचार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। खेसरहा क्षेत्र स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र टिकुर सकारपार में रविवार, 10 मई 2026 को मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में कुल 26 मरीजों का उपचार किया गया और उन्हें निशुल्क दवाएं वितरित की गईं।

इसके अतिरिक्त, आठ मरीजों की ब्लड जांच भी की गई।मेले में पहुंचे मरीजों में विभिन्न बीमारियों से पीड़ित लोग शामिल थे। इनमें छह मरीज बुखार से, तीन कफ से, छह शुगर से, तीन त्वचा रोग से, एक

लूज मोशन से और सात अन्य बीमारियों से ग्रस्त थे। सभी मरीजों को चिकित्सकों द्वारा जांच के बाद आवश्यक परामर्श और निशुल्क दवाएं प्रदान की गईं। इस अवसर पर चिकित्सक डॉ. रोहित वर्मा ने मरीजों को बदलते मौसम के दौरान स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने जोर दिया कि नियमित जांच और समय पर उपचार से कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। स्वास्थ्य मेले के सफल आयोजन में फार्मासिस्ट मनोज कुमार श्रीवास्तव, एलटी ज्ञानेंद्रनाथ और वार्ड बॉय एजाज अहमद सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। क्षेत्रीय लोगों ने इस स्वास्थ्य मेले में पहुंचकर उपलब्ध कराई गई स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

निकासी के समय ढही ईंट–भट्ठे की दीवार, दबकर सात वर्षीय मासूम की मौत

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। रविवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां ईंट निकासी के दौरान भट्ठे की दीवार ढहने से सात वर्षीय मासूम की दबकर मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। घटना इब्राहिमपुर थाना क्षेत्र के औसानपुर स्थित एक ईंट–भट्ठे की है। हादसे में मूल रूप से गोंडा जिले के पथरिया गांव निवासी इरफान के बेटे निहाल (7) की मौत हुई है। बताया गया कि इरफान करीब छह माह पूर्व अपने परिवार के साथ मॉडर्न ईंट–भट्ठे पर मजदूरी करने आया था। रविवार सुबह ईंट निकालने का कार्य चल रहा था। निहाल वहीं पास में खेल रहा था। इसी दौरान अचानक ईंटों की दीवार भरभराकर गिर गई। निहाल उसके नीचे दब गया। मजदूरों और परिजनों ने आनन–फानन में ईंट हटाकर बच्चे को बाहर निकाला। लेकिन, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मासूम की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। थानाध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने बताया कि घटना की सूचना मिली है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

होमगार्ड के सामने बाल पकड़कर उतारा, लाठी–डंडो से पिटाई

संवाददाता–संतकबीरनगर। होमगार्ड के सामने एक युवक की विपक्षियों ने लाठी–डंडे से जमकर पिटाई कर दी। युवक का बाल खींचकर मैजिक वाहन से बाहर निकाला। उसके बाद भद्दी–भद्दी गालियां देते हुए पीटना शुरू कर दिया। मारपीट देखकर लोग वहां मौजूद लोग इधर–उधर भागने लगे। वहां मौजूद लोगों ने इस मारपीट का वीडियो बना लिया। वीडियो में मारपीट के दौरान एक होमगार्ड भी दिख रहा है, यह सारी घटना उसके सामने हुई। दरअसल, इन दबंगों से युवक का 16 साल पुराना जमीनी विवाद चल रहा था। उसी को लेकर ये मारपीट की घटना सामने आई है। पीड़ित की मां और भाई ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने घायल युवक को मेडिकल के लिए भेज दिया है।

यह घटना रविवार दोपहर करीब 12 बजे मेंहदावल तहसील क्षेत्र में नंदौर चौराहे पर हुई। नंदौर गांव में रहने वाले गब्बू लाल अपने दो बेटों अमित और सुमित के साथ रहते हैं। उनका पड़ोसियों के साथ 16 साल से जमीनी विवाद चल रहा है। रविवार को सुमित अपने निजी काम से मैजिक वाहन से मेंहदावल जा रहे थे। उसी समय विपक्षियों ने नंदौर चौराहे पर उनके वाहन को रुकवा लिया। वाहन रोकने के बाद सुमित को गेट खोलकर उनका बाल पकड़कर नीचे उतारा। विपक्षियों ने सुमित को होमगार्ड के सामने सरेआम लाठी डंडो से पीट–पीटकर घायल कर दिया। मारपीट के दौरान घटनास्थल पर अफरा–तफरी मच गई। वहां मौजूद लोग मारपीट देखकर इधर–उधर किनारे हो गए।

आसपास के लोगों ने मारपीट का वीडियो बना लिया। वीडियो में मारपीट से होमगार्ड बचते नजर आ रहे है। मारपीट में युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना परिजनों को जैसे ही मिली वो तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने सुमित को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। सुमित कुमार के बड़े भाई अमित कुमार ने कहा यह मामला जमीनी विवाद को लेकर हुआ है, जो हाइकोर्ट में सन् 2009 से विचाराधीन है। यह सब हमेशा मारपीट करते है और पुलिस कोई कार्रवाई नहीं करती है। लगभग 2 साल पहले उन्होंने मुझे और मेरे पिता जी को भी मारा था और मेरा सिर फट गया था। तब भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की थी।

सुमित की मां और भाई ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। सुमित ने बताया कि यह मामला जमीन विवाद से जुड़ा है और कई सालों से चल रहा है। यह विवाद हाईकोर्ट में विचाराधीन है। बखिरा थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। घायल व्यक्ति का मेडिकल करवाया जा रहा है।

अंतरजनपदीय तबादलों में वरिष्ठता लागू करने की मांग, शैक्षिक महासंघ 13 मई को धरना देगा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। इटवा स्थित भाजपा कार्यालय में रविवार को राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला पदाधिकारियों ने पूर्व बेसिक शिक्षा मंत्री व संगठन के संरक्षक सतीश चंद्र द्विवेदी को शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं से संबंधित ज्ञापन सौंपा। पदाधिकारियों ने अंतरजनपदीय स्थानांतरण प्रक्रिया में पारदर्शिता और वरिष्ठता के आधार पर तबादला किए जाने की मांग उठाई।

जिलाध्यक्ष आदित्य कुमार शुक्ला ने कहा कि शिक्षकों के साथ हो रहे अन्याय और भेदभाव को समाप्त किया जाए तथा स्थानांतरण नीति को पारदर्शी बनाया जाए। उन्होंने बताया कि इन मांगों को लेकर 13 मई को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर विशाल धरना–प्रदर्शन और ज्ञापन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

जिला महामंत्री पंकज कुमार त्रिपाठी और ब्लॉक अध्यक्ष मो. इमरान ने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए संगठन लगातार संघर्ष कर रहा है। धरना–प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए सभी शिक्षकों से सहभागिता की अपील की गई है। इस दौरान राकेश पांडेय, अरुण चतुर्वेदी, धर्मेंद्र श्रीवास्तव, अमरजीत, गौरव तिवारी, राजकुमार शर्मा, स्ववाति, वंदना और विनीता सहित संगठन के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

बारिश से पहले पूरा करें बाढ़ बचाव के हो रहे कार्य

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में मानसून आने से पहले बाढ़ के खतरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। बाढ़ से बचाव को लेकर तटबंधों को मजबूत किया जा रहा है। जिलाधिकारी आलोक कुमार ने मेंहदावल तहसील क्षेत्र में राप्ती नदी के दाहिने तट पर स्थित करमैनी–बेलौली तटबंध का स्थलीय निरीक्षण किया। बाढ़ सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों से कहा कि बाढ़ बचाव के हो रहे कार्य बारिश से पहले पूरा करें। निरीक्षण के दौरान डीएम ने तटबंध की स्थिति, सुरक्षा कार्यों और संवेदनशील स्थलों की जानकारी ली। डीएम ने कहा कि बरसात के दौरान तटबंधों की छोटी लापरवाही भी बड़े नुकसान का कारण बन सकती है। ऐसे में सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ कार्य करें। उन्होंने तटबंध के अतिसंवेदनशील एवं संवेदनशील स्थलों की विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत कर क्षेत्र के स्थिति की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बरसात के समय होने वाली कटान और जलभराव की समस्याओं से अवगत कराया। इस पर डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि संभावित खतरे वाले स्थानों पर पहले से ही पर्याप्त सुरक्षात्मक इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से समय रहते निपटा जा सके। डीएम ने कहा कि बाढ़ के दौरान लोगों की सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकता है। तटबंधों की नियमित निगरानी, गश्त और मरम्मत कार्य में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा आपदा से निपटने के लिए जरूरी संसाधन पहले से तैयार रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बाढ़ खंड के अधिकारी और अन्य संबंधित विभागों के कर्मचारी मौजूद रहे।

दैनिक
भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com